डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

29 नवंबर 2025

शनिवार

आपकी आवाज

अर्जुन यादव हत्याकांड मुख्य शूटर समेत दो अपराधी चढ़े एसआईटी के हत्थे, दो आर्म्स व कारतूस बरामद

2

एसआईआर फॉर्म पूरी तरह डिजिटल करने वाला पहला केंद्र शासित प्रदेश बना लक्षद्वीप

केंद्र शासित प्रदेश ने मतदाता सूची बनाने और उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित करने की प्रक्रिया पूरी

एजेंसी। करवत्ती

चुनाव आयोग ने कहा कि लक्षद्वीप देश का पहला ऐसा केंद्र शासित प्रदेश बना गया है, जिसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) फॉर्म की पूरी प्रक्रिया 100 फीसदी डिजिटल रूप से पूरी कर ली। एसआईआर की प्रक्रिया इस साल चार नवंबर से शुरू हुई थी। 27 अक्तूबर को चुनाव आयोग के आदेश के बाद एसआईआर शुरू किया गया था। आयोग के मुताबिक, कुल 55 बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) ने सभी दस द्वीपों में घर-घर जाकर फॉर्म वितरित किए और निवासियों को उन्हें भरने में मदद की। उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त 133 बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) का सहयोग मिला। नाव पंजीकरण अधिकारी आईएएस शिवम चंद्र ने एक बयान में कहा, प्रत्येक द्वीप के तय इलाकों में विशेष शिविर भी लगाए गए, ताकि भरे हुए फॉर्म को तेजी से एकत्र किया जा सके और उन्हें डिजिटल रूप में सुरक्षित किया जा सके। केंद्र शासित प्रदेश ने मतदाता सूची बनाने और उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित करने की प्रक्रिया आज पूरी कर ली। मसौदा मतदाता सूची नौ दिसंबर, 2025 को प्रकाशित की जाएगी।

एसआईआर : 45 फीसदी से अधिक फॉर्म ऑनलाइन

अमेठी सिटी। मतदाता सूची को लेकर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत फार्मों के ऑनलाइन किए जाने में जिले की रैंकिंग सुधरी है। सभी तहसीलों में शिफ्टवार बीएलओ संग सभी विभागों के कर्मी संकलित फॉर्म (गणना प्रपत्र) ऑनलाइन करने में लगे हैं। अब तक जहां करीब आठ लाख फॉर्म संकलित हो चुके हैं, वहीं 45 फीसदी से अधिक फॉर्मों का डिजिटाइजेशन कर लिया गया है। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में 14,36,528 मतदाता हैं। जिले के 1551 बूथों पर बीएलओ की ओर से एसआईआर फॉर्मों का वितरण करने संग संकलन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। एप पर ऑनलाइन फीडिंग के कार्य में जिले की प्रगति एक सप्ताह पहले बहुत अच्छी नहीं थी। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम संजय चौहान ने सभी तहसीलों के अफसरों संग बीएलओ पर कार्य में प्रगति लाने के लिए पेंच कसे। उसके बाद सभी विभागों के कर्मियों को शिफ्टवार फॉर्मों को ऑनलाइन करने के लिए लगाया है। बीएलओ की ओर से संकलित फॉर्मों को तहसीलों में पहुंचाने के लिए सुपरवायइजार को लगाया गया। इस प्रयास के बाद जिले में अब तक करीब आठ लाख मतदाताओं के फॉर्म संकलित हो चुके हैं। वहीं 45 फीसदी से अधिक फॉर्म संकलित होने से जिले की रैंकिंग में सुधार हुआ है। हालांकि गणना प्रपत्रों के वितरण, संकलन व डिजिटाइजेशन की अंतिम तिथि चार दिसंबर है। ऐसे में प्रशासन को सात दिनों में 55 फीसदी प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को पूरी करने की चुनौती का सामना करना होगा। सभी मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर होना है, जिसके लिए 1982 बूथों को आधार मानकर काम चल रहा है।

मणिपुर : असम राइफल्स की पोस्ट पर घात लगाकर हमला, चार जवान घायल

एजेंसी। तेंग्नौपाल

मणिपुर के तेंग्नौपाल जिले में इंडो म्यांमार सीमा के पास शुक्रवार सुबह संदिग्ध उग्रवादियों ने असम राइफल्स के एक सुरक्षा पोस्ट पर घात लगाकर हमला कर दिया। यह घटना बॉर्डर पिलर नंबर 87 के निकट स्थित सैबोल गांव के पास हुई, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से बिल्कुल सटा इलाका है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, असम राइफल्स की तीसरी बटालियन के चार जवान इस हमले में घायल हुए हैं। इनमें से एक जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले के बाद इलाके में अफराझ्तफरी का माहौल बन गया। हमले के तुरंत बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए। पूरे इलाके

में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है और उग्रवादियों की तलाश जारी है। चूंकि यह इलाका म्यांमार सीमा से सटा हुआ है, ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां इसे क्रॉस बॉर्डर गतिविधियों से जोड़कर भी देख रही हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि असम राइफल्स की गश्ती टीम पर अचानक फायरिंग शुरू हुई, जिसके बाद जवानों ने नियंत्रण और सावधानी के साथ जवाबी कार्रवाई की, ताकि आसपास मौजूद ग्रामीणों को कोई नुकसान न पहुंचे।

गोवा में 77 फीट कांस्य की बनी भगवान राम प्रतिमा का हुआ उद्घाटन

लोगों की एकता से होकर जाती है विकसित भारत की राह : पीएम

- देश में अब हो रहा है सांस्कृतिक पुनर्जागरण
- रामायण थीम पार्क गार्डन का हुआ उद्घाटन

एजेंसी। गोवा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण गोवा जिले के श्रीसंस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद पीएम मोदी ने श्रीसंस्थान गोकर्ण परतगली जीवोत्तम मठ में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मठ के 550वें साल के जश्न सार्ध पंचशतामनोत्सव के मौके पर मठ आए हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रामायण थीम पार्क गार्डन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का भी जारी किया और कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को

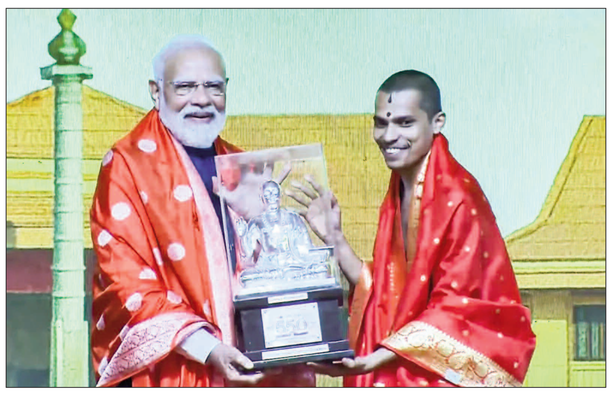

गोवा में कहा कि विकसित भारत का रास्ता लोगों की एकता से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि आज देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है और अयोध्या राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और उज्जैन महाकाल महालोक इसका उदाहरण हैं। उन्होंने 550 साल पुराने श्रीसंस्थान गोकर्ण जीवोत्थम मठ की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था अनेक कठिन दौर से गुजरकर भी समाज को दिशा देती रही है। इस कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी ने कहा, यहां भगवान राम की 77 फुट ऊंची कांस्य की मूर्ति स्थापित की गई। तीन दिन पहले मुझे अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर धर्म ध्वज फहराने का सौभाग्य मिला। पीएम मोदी ने कहा कि बदलते समय और चुनौतियों के बीच भी इस मठ ने अपनी दिशा नहीं खोई। बल्कि यह ह्यमठह्न लोगों को दिशा देने वाला सेंटर बनकर उभरा। यही इसकी पहचान है। यह मठ समय के साथ बदलता रहा है।

सेवा की भावना है मठ की खासियत

पीएम मोदी ने कहा, यह मठ मूल्यों को बनाए रखने की नींव का पत्थर रहा है, और आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा देता रहेगा...इस मठ की एक खासियत सेवा की भावना है, जिसने सदियों से समाज के हर तबके का साथ दिया है। सदियों पहले, जब इस इलाके में मुश्किलें आईं और लोगों को अपने घर-परिवार छोड़कर नई जगहों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, तो इस मठ ने समुदाय का साथ दिया, नई जगहों पर मंदिर और शेल्टर बनाए। इसने न सिर्फ धर्म बल्कि इंसानियत और संस्कृति की भी रक्षा की। समय के साथ, मठ की सेवा का दायरा बढ़ा है। आज, शिक्षा से लेकर हॉस्टल तक, बुजुर्गों की देखभाल से लेकर जरूरतमंद परिवारों की मदद तक, इस मठ ने हमेशा अपने संसाधन लोगों की भलाई के लिए लगाए हैं।

राज्यपाल और सीएम सांवत रहे मौजूद

पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे समय आए जब गोवा के मंदिरों और पारंपरिक परंपराओं को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन इन घटनाओं ने समाज की भावना को कमजोर नहीं किया। गोवा की खासियत यह है कि इसकी संस्कृति ने सभी बदलावों के बावजूद अपनी एकता बनाए रखी है और समय के साथ फिर से जीवित भी हुई है। पीएम मोदी ने दक्षिणी गोवा के पार्टगली में मठ में बने मंदिर का भी दौरा किया। यह मठ भारत के सबसे पुराने मठों में से एक है, जो अपने आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान के लिए जाना जाता है और सारस्वत समुदाय में इसका खास स्थान है। इस मौके पर गोवा के गवर्नर अशोक गजपति राजू और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत इस समारोह में मौजूद थे।

रियल एस्टेट कारोबारी के यहां मिले 50 करोड़ रुपये कर चोरी के सुराग

एजेंसी। लखनऊ

बहराइच में रियल एस्टेट कारोबारी अब्दुल रहमान खान उर्फ मोईन खान के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को 50 करोड़ रुपये की कर चोरी के सुराग मिले हैं। मोईन खान की वाट्सएप चैट से भी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। चैट व बरामद दस्तावेजों के आधार पर आगे की पड़ताल की जा रही है। ायकर की टीमों ने बुधवार को बहराइच के अलावा मोईन खान के करीबी कारोबारियों के आगरा, मथुरा व बरेली स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी, जो शुक्रवार रात तक चली। छापेमारी में लाखों रुपये की नकदी व संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। आयकर की शुरूआती जांच में सामने आया था कि मोईन खान की फर्म का टर्नओवर वर्ष 2020 में लगभग छह करोड़ रुपये था, जो वर्तमान में 100 करोड़ रुपये है। पिछले कुछ वर्षों में मोईन खान के पास अचानक काफी तेजी से बढ़ी संपत्तियों को लेकर जांच एजेंसियों को उस पर संदेह गहराया था। सूत्रों का कहना है कि छानबीन में सामने आया है कि मोईन खान ने बैंकों से लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन भी लिया था। बीते कुछ वर्षों में उसने कई जमीनों का सौदा नकद रकम लेकर किया था, जिसकी कोई लिखापढ़ी नहीं की गई थी। वाट्सएप चैट से इसके सुराग मिले हैं। मोईन खान के तार हवाला कारोबार से भी जुड़े होने की आशंका है।

दिल्ली की जहरीली हवा पर राहुल ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर तीखा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में हवा इतनी खराब हो चुकी है कि यह अब स्वास्थ्य संकट बन गई है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर संसद में तुरंत विस्तृत चर्चा की मांग करते हुए कहा कि सरकार को सख्त और लागू होने वाला एक्शन प्लान लाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बच्चे और बुजुर्ग जहरीली हवा में सांस

लेने को मजबूर हैं, तब सरकार चुप क्यों है और कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया जा रहा।हुल गांधी ने कुछ माताओं से अपने घर पर मुलाकात की और उनकी चिंता को एक वीडियो के जरिए साझा किया। उन्होंने कहा, श्हर मां यही कहती है, उसका बच्चा जहरीली हवा में सांस ले रहा है। वे थक चुकी हैं, डरी हुई हैं और नाराज हैं।श्पिछले 15 दिनों से दिल्ली की हवा बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार आने वाले हफ्ते में भी राहत मिलने की उम्मीद कम है।डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अस्थमा मरीज, दिल के मरीज, धूम्रपान करने वाले, बच्चे और बुजुर्ग खास तौर पर सावधान रहें, क्योंकि प्रदूषित हवा फेफड़ों की क्षमता कम करती है, सूजन पैदा करती है और पुरानी बीमारियों को बढ़ा सकती है। डॉक्टरों के अनुसार, अब नियमित स्वास्थ्य जांच और सांस से जुड़ी बीमारियों की स्क्रीनिंग जरूरी होती जा रही है।

खाद्य प्रसंस्कण उद्योग ने नौ वर्षों में 6 .55 प्रतिशत की वृद्धि की है

कटाई के बाद फसल के नुकसान का जिलावार आकलन कराएगी सरकार

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने कृषि उत्पादन में काफी मजबूती प्राप्त की है। कई प्रकार के कृषि उत्पादों में विश्व में भारत पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर है। इसके साथ-साथ खाद्य प्रसंस्कण उद्योग ने भी नौ वर्षों में 6.55 प्रतिशत की वृद्धि की है, लेकिन इसके बावजूद कटाई के बाद फसल या उपज का होने वाला नुकसान (पोस्ट हार्वेस्ट लास) चुनौती बना हुआ है। सरकार मानती है कि किसानों की आय बढ़ाने के

लिए इस हानि को कम करना बहुत आवश्यक है। इसी उद्देश्य के साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय राष्ट्रव्यापी अध्ययन कराने जा रहा है। इसमें जिलावार आंकड़े भी जुटाने की योजना बनाई गई है। भारत में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों के लिए कटाई के बाद होने वाला नुकसान एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि के बावजूद कटाई के बाद होने वाली उपज का एक बड़ा हिस्सा प्रबंधन, भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण और वितरण के दौरान नष्ट हो जाता है। सरकार का मानना है कि यह नुकसान न केवल किसानों की आय को प्रभावित करते हैं, बल्कि खाद्यान्न की समग्र उपलब्धता को भी कम करते हैं, जिससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और निर्यात प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है। यही कारण है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय कृषि उपज के कटाई के बाद के प्रबंधन में सुधार के लिए योजनाएं बनाता है। उन योजनाओं के प्रभाव के आकलन के लिए अब तक राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2005-07, 2012-14 और वर्ष 2020-22 में अध्ययन कराया जा चुका है। तब से तकनीक व योजनाओं पर और भी काम हुआ है। ऐसे में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने अब चौथा अध्ययन कराने का निर्णय किया है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

मुख्यमंत्री ने दिया महिला रोजगार को नया आयाम

- **डुमरांव में सीधा प्रसारण, 10 लाख महिलाओं को मिली एक हजार करोड़ की सहायता**

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। 26 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में इस योजना की औपचारिक शुरूआत हुई थी। इसी कड़ी में आज (शुक्रवार) को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 10 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार प्रति लाभुक की दर से कुल एक हजार करोड़ की राशि का अंतरण किया गया। डुमरांव प्रखंड सभागार में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें जीविका से जुड़े सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रसारण के दौरान महिलाओं ने योजना की रूपरेखा, उद्देश्य और इसके माध्यम से मिलने वाले अवसरों की विस्तृत जानकारी हासिल की।

हर परिवार की एक महिला को मिलेगा लाभ

राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य सभी समुदायों और वर्गों की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के तहत राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को अपनी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए प्रारंभिक रूप से 10 हजार की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके अलावा, रोजगार की प्रकृति, संभावनाओं और आयवर्धन के आधार पर आगे चलकर 2 लाख तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दिए जाने का भी प्रावधान है। चयनित रोजगार से संबंधित प्रशिक्षण की भी पूर्ण व्यवस्था की गई है, ताकि महिलाएं अपने उद्यम को सफलतापूर्वक संचालित कर सकें।

सहकारिता आधारित मॉडल पर चल रही योजना

यह योजना सामुदायिक सहकारिता पर आधारित है। लाभुक महिलाओं को पहले स्थानीय स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जोड़ा जाएगा। इससे महिलाओं को न सिर्फ मार्गदर्शन मिलेगा, बल्कि रोजगार चुनने और उसे शुरू करने में भी सहयोग मिलेगा। स्थानीय समूहों की निगरानी और सहायता से महिलाओं में आत्मविश्वास और कार्य-कुशलता बढ़ने की उम्मीद है। प्रशिक्षण और उत्पादन में मदद के अलावा महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री के लिए गांव से लेकर शहरों तक हाट-बाजार विकसित किए जाएंगे। इससे ग्रामीण उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा और महिलाओं की आमदनी में स्थायी इजाफा होगा।

एक नजर

चौसा अंचल कार्यालय में अपर समाहर्ता की सख्त कार्रवाई, लापरवाही पर चेतावनी, लंबित राजस्व मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

चौसा। शुक्रवार को चौसा अंचल कार्यालय में प्रशासनिक सख्ती का नजारा उस समय देखने को मिला जब अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह ने अचानक पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उनके आगमन से कार्यालय में मौजूद अधिकारियों और कर्मियों में हड़कंप की स्थिति बन गई। अपर समाहर्ता ने बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यालय के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया और उपस्थिति रजिस्टर से लेकर अभिलेखों के रख-रखाव तक हर पहलू की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान सबसे अधिक जोर राजस्व और भूमि से जुड़े मामलों पर रहा। अपर समाहर्ता ने पाया कि कई मामले लंबे समय से लंबित पड़े हैं, जिनका सीधा प्रभाव आम जनता के कार्यों पर पड़ रहा है। उन्होंने अतिक्रमण हटाने, भूमि मापी, दाखिल-खारिज, परिमार्जन सहित सभी राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि समयसीमा का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि ह्भूमि संबंधित मामलों में देरी आम नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी समझे और तय अवधि के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। अपर समाहर्ता ने आरटीपीएस काउंटर की स्थिति भी देखी और आवेदन निस्तारण में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कर्मचारियों को कहा कि सभी सेवाएं पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी सेवाओं का उद्देश्य जनता तक सुविधाएं बिना किसी परेशानी के पहुंचाना है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को संवेदनशील और तत्पर होकर कार्य करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं भी सुनी गईं। लोगों ने अपने आवेदन और शिकायतें अपर समाहर्ता के समक्ष रखीं, जिन पर उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ह्अंचल कार्यालय जनता का पहला प्रशासनिक पड़ाव है। यहां कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस औचक निरीक्षण ने प्रशासनिक मशीनरी को स्पष्ट संदेश दिया कि लंबित मामलों और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई तय है। मौके पर अंचलाधिकारी (सीओ) नीलेश कुमार, राजस्व पदाधिकारी उद्धव मिश्रा सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे। अपर समाहर्ता ने सभी अधिकारियों को कार्यालय व्यवस्था सुधारने और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश देते हुए निरीक्षण समाप्त किया।

चौसा पावर प्लांट के पास की गई थी अर्जुन यादव की हत्या, पुलिस ने सरगना तक पहुंचने की रणनीति तेज की

अर्जुन यादव हत्याकांड मुख्य शूटर समेत दो अपराधी चढ़े एसआईटी के हत्थे, दो आर्म्स व कारतूस बरामद

- **ठेकेदारी में वर्चस्व को ले हुई थी अर्जुन यादव की हत्या, एसपी ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी**

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा पावर प्लांट के समीप बीते 26 मई को हुए प्लांट के ठेकेदार अर्जुन यादव हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार हो गया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हथियार भी बरामद किए है। शुक्रवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी दी।

बता दें कि अर्जुन यादव की हत्या ने बक्सर के राजनीतिक जगत में भी हलचल मचा दी थी। ठेकेदारी के वर्चस्व को लेकर उपजे विवाद में अखौरीपुर गोला निवासी अर्जुन यादव को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर मौत की नींद सुला दिया था। गंभीर रूप से घायल अर्जुन को अस्पताल पहुंचाया गया, परन्तु उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद से ही जिला पुलिस इस मामले को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़कर देख रही थी। अब महीनों की अथक पीछा-करवाई और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने इस केस में सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) ने हत्याकांड के मुख्य शूटर निखिल यादव को धर दबोचा है। इसके साथ ही हथियारों की बरामदगी और एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी ने इस मामले को नए मोड़ पर ला खड़ा किया है।

इलाज के बहाने शहर आया था शूटर, पुलिस ने बिछाया जाल

एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी निखिल यादव पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए गठित विशेष अन्वेषण दल लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। इस बीच गुप्त सूचना मिली कि निखिल यादव गुपचुप तरीके से चिकित्सकीय उपचार कराने बक्सर पहुंचा है। इसकी जानकारी मिलते ही उसे गिरफ्तार करने का निर्देश अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) गौरव पाण्डेय को दिया गया। उनके नेतृत्व में टीम ने आईटीआई मार्ग पर गश्ती बढ़ाई और घेराबंदी करते हुए निखिल को दबोच लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वही अर्जुन यादव की हत्या का मुख्य शूटर था और वारदात में उपयोग किए गए हथियार उसके सहयोगी विक्की उपाध्याय उर्फ पंकज उपाध्याय के घर में छिपाए गए हैं।

छापामारी में खुला हथियारों का गुप्त भंडार

निखिल की निशानदेही पर पुलिस टीम ने थाना इटाढ़ी के सुकरवलिया गांव में स्थित विक्की उपाध्याय के घर पर छापामारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को हथियारों का जखीरा मिला। उसके घर से पुलिस को एक देशी कट्टा, एक एकनाली देशी बंदूक, उपयोग किए गए कारतूस के 80 खोखे तथा छह कारतूस मिला। हथियार बरामद होते ही विक्की उपाध्याय को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। बरामद हथियारों के आधार पर इटाढ़ी थाना में एक नया मामला भी दर्ज किया गया है।

दोनों आरोपियों का लंबा अपराधिक इतिहास

मुख्य आरोपी निखिल यादव का आपराधिक रिकॉर्ड बेहद भारी है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के बरसेर और कासिमाबाद थाना क्षेत्रों में 12 से अधिक मामले दर्ज हैं, वहीं बक्सर मुफस्सिल थाना में भी एक मामला लंबित है। विक्की उपाध्याय पर भी मुफस्सिल और इटाढ़ी थाना क्षेत्र में कई मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें अवैध हथियार रखने और मारपीट के मामले शामिल हैं।

एसपी ने बताया कि अर्जुन यादव की हत्या किसी छोटी-मोटी रंजिश का परिणाम नहीं, बल्कि ठेकेदारी क्षेत्र में वर्चस्व साबित करने की कोशिश का हिस्सा थी।

एसडीपीओ गौरव पांडेय ने किया नेतृत्व

पूरे अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ गौरव पांडेय ने किया। इसमें जिला गोपनीय इकाई के निरीक्षक सुधीर कुमार, सहायक निरीक्षक चंदन कुमार (दोनों), थानाध्यक्ष सोनू कुमार पासवान सहित मुफस्सिल और इटाढ़ी थाना की संयुक्त टीम तथा सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस का कहना है कि अभी कुछ और आरोपी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है। एसआईटी का दावा है कि जल्द ही इस हत्याकांड की पूरी साजिश का खुलासा कर बाकी आरोपियों को भी जेल भेज दिया जाएगा।

नया भोजपुर पुलिस ने वूसले 1.10 लाख जुर्माना

केटी न्यूज/डुमरांव

परिवहन नियम तोड़ने व ओवरलोड परिचालन करने वाले ट्रक चालकों के खिलाफ नया भोजपुर पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस ने शुक्रवार को 22 वाहनों से कुल 1.10 लाख रूपए का जुमार्ना वसूल उन्हें कड़ा सबक सिखाया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि परिवहन व्यवस्था को सुदृढ करने, तस्करी रोकने तथा राजस्व वृद्धि के उदेश्य से लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नो एंट्री नियम का भी कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। इसके तहत थाना क्षेत्र में फोरलेन पर बने नया भोजपुर व पुराना भोजपुर के अंडरपास के समीप पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि कोई ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों के चालक नो-एंट्री नियम को तोड़ न पाए। दूसरी तरफ पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस के लगातार अभियान से वैसे ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों के चालकों की परेशानी बढ़ गई है, जो नियम तोड़ ओवरलोड परिचालन करते है या फिर बिना वैध कागजात, बिल्टी आदि के सामान की ढुलाई करते है। थानाध्यक्ष ने कहा कि लगातार वाहन जांच अभियान चलाए जाने से एक तरफ परिवहन व्यवस्था दुरूस्त हो रही है तो दूसरी तरफ तस्करी पर भी लगाम लग रहा है।

मुंबई से 36 घंटे बाद आया मुन्ना का शव, केसठ में छाया मातम

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के केसठ गांव में शुक्रवार की शाम उस समय हृदय विदारक दृश्य देखने को मिला, जब मुंबई में हुई दर्दनाक दुर्घटना में जान गवाने वाले 35 वर्षीय मुन्ना महतो का शव 36 घंटे बाद गांव पहुंचा। एम्बुलेंस के पहुंचते ही पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पलभर में चीख पुकार में बदल गया। घर के आंगन में रखे ताबूत को देखते ही मृतक की पत्नी पुतुल कुमारी बेसुध होकर गिर पड़ी। मां और पिता भी बार बार बेहोश होते रहे। पूरे घर में ऐसा विलाप गूंज उठा कि देखने वालों की आंखें भी नम हो गईं।बच्चों के क्रंदन-चित्कार माहौल को और भी दहला देने वाला था। चार वर्षीय बेटा और पांच वर्षीय बेटी बार बार ताबूत के पास जाकर पापा-पापा उठो ना, कहकर रो रहे थे। वहां मौजूद ग्रामीण बच्चों की यह पुकार सुनकर खुद को रोक नहीं पाए और लोग वहीं फूट-फूट कर रो पड़े।मिली जानकारी के अनुसार मृतक ढाई महीने पहले ही गांव से काम के लिए मुंबई गया था। वह कुछ दिन पहले ही छुट्टी लेकर गांव आया था और परिवार के लिए मेहनत करने फिर लौट गया था, लेकिन दुर्भाग्यवश इस बार वह हमेशा के लिए घर लौट आया। परिजनों ने बताया कि हादसे के बाद कंपनी प्रशासन द्वारा शव को एयरलाइंस से पटना भेजवाया गया, जिसके बाद पटना से एम्बुलेंस के जरिए शव को गांव लाया गया। लंबी यात्रा के बाद शुक्रवार की शाम शव के पहुंचते ही गांव में शोक और चीख पुकार का माहौल बन गया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक मुंबई के पनवेल के वर्ड इलाके में स्थित जिंदल कंपनी के एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करता था। गुरुवार को निर्माण कार्य के दौरान अचानक ऊपर से भारी स्ट्रिंग गिर गई, जो सीधे उसके ऊपर आ गिरी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मजदूरों में अफरा तफरी फैल गई और कंपनी ने परिवार को इसकी सूचना दी।हादसे की खबर पहुंचते ही गांव में मातम पसर गया था, लेकिन शव के पहुंचते ही यह मातम एक असहनीय पीड़ा में बदल गया। मृतक परिवार का मुख्य सहारा था। उसकी असमय मृत्यु ने पत्नी, दो छोटे बच्चों, बुजुर्ग माता पिता और पूरे परिवार को गहरे संकट में धकेल दिया है।परिजनों ने बताया कि दाह संस्कार गांव की ही निजी जमीन पर कराया जाएगा।शव पहुंचते ही सिर्फ एक ही आवाज गूंजती रही मां का करुण विलाप, पत्नी की चीखें और बच्चों की पुकार, जिसने पूरे गांव को शोक और सदमे में डूबा दिया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में दमका युवा उत्साह, डुमरांव के राज हाई स्कूल में प्रतिभाओं का रंगारंग संगम

- **30 संस्थानों के युवा प्रतिभागियों ने प्रस्तुत की रचनात्मक अभिव्यक्ति, एसडीएम ने किया उद्घाटन, पूरे दिन छाया सांस्कृतिक उल्लास**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के राज हाई स्कूल परिसर में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव अनुमंडल स्तर पर ऊर्जा, उत्साह और रचनात्मकता का ऐसा संगम बना, जिसने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार की ओर से आयोजित इस महोत्सव में तकरीबन 30 सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का ऐसा प्रदर्शन किया कि परिसर पूरे दिन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसडीएम राकेश कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमता को बड़े मंच पर दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खुलकर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन राज हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक एवं कार्यक्रम संयोजक अनुराग मिश्रा के नेतृत्व में अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से हुआ। निर्णायक मंडल में रविरंजन चौबे, ब्रजेश कुमार चौबे और महिमा साक्षी शामिल रहे, जिन्होंने विभिन्न विधाओं में प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहे मनमोहक लोकनृत्य, गीत-संगीत की प्रस्तुतियां, नाटक, समूह गान तथा अन्य रचनात्मक विधाएं। मंच पर चली एक के बाद एक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लगातार बांधे रखा। ग्रामीण संस्कृति की झलक लिए लोकनृत्यों ने वातावरण में अलग ही उत्साह भर दिया, जबकि नाट्य प्रस्तुतियों ने सामाजिक संदेशों को जीवंत रूप में दशार्या।

कार्यक्रम में डॉ. कविता कुमारी, नफीसा राज, बिंदु श्रीवास्तव, मनीष पटेल, आदित्य राज, बसंत चौहान, रीना सिंह सहित क्षेत्र के कई शिक्षाविद, कलाकार और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सैकड़ों की संख्या में जुटे प्रतिभागियों और दर्शकों ने महोत्सव को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

दिनभर चला यह युवा महोत्सव न केवल कला और संस्कृति का उत्सव बना, बल्कि नई पीढ़ी की ऊर्जा, कल्पनाशीलता और प्रतिभा का सशक्त परिचय भी देता रहा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बानारपुर में किसानों व प्लांट प्रबंधन विवाद सुलझाने पहुंचे विधायक आनन्द मिश्र, जनता दरबार लगाकर सुनी समस्याएं

- ग्रामीणों की बात सुनकर समाधान तलाशने का दिया आश्वासन, बोले किसानों के हित सर्वोपरि

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा प्रखंड के बानारपुर गांव में किसानों और थर्मल पावर प्लांट प्रबंधन के बीच पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से चल रहे विवाद को समझने और उसके स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बक्सर सदर के विधायक आनन्द मिश्र गांव पहुंचे। ग्रामीणों की बढ़ती नाराजगी और किसानों द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने पहले प्रभावित परिवारों से विस्तृत बातचीत की और उनकी समस्याओं की बारीकियों को जाना। गांव पहुंचते ही बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधि एकत्र हो गए। विधायक मिश्र ने गांव के ही एक स्थान पर तत्काल जनता दरबार का आयोजन किया, जिसमें किसानों ने भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, प्लांट संचालन से होने वाली स्थानीय परेशानियां, धूल-धुआं, सड़क क्षति और रोजगार से जुड़ी समस्याओं को खुलकर रखा। कई किसानों ने बताया कि प्लांट निर्माण के दौरान किए गए आश्वासन अब तक पूरा नहीं हुए, जिससे गांव में असंतोष बढ़ता जा रहा है। विधायक ने एक-एक मुद्दे को ध्यानपूर्वक सुना और लिखा-पढ़ी कर संबंधित अधिकारियों से भी तत्काल संपर्क किया। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान ही उनकी प्राथमिकता है, और किसी भी स्थिति में किसानों के हितों से समझौता नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे ताकि विवाद का निपटारा जल्द और संतोषजनक तरीके से हो सके। जनता दरबार के बाद विधायक मिश्र ने थर्मल पावर प्लांट प्रबंधन के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। उन्होंने प्लांट अधिकारियों से ग्रामीणों की शिकायतों और असंतोष के कारणों पर विस्तार से चर्चा की और तत्काल प्रभाव से सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्लांट प्रबंधन को स्थानीय लोगों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना चाहिए, तभी विकास कार्य सार्थक माना जाएगा। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक आनन्द मिश्र ने कहा कि ह्लह्लमैं सदैव किसानों और ग्रामीणों के साथ खड़ा हूं। उनकी समस्याओं का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि मेरा संकल्प है। बानारपुर के हर किसान और हर परिवार की चिंता मेरी चिंता है। मैं इस मामले को जल्द से जल्द हल करवाने के लिए प्रशासन और प्लांट प्रबंधन के साथ लगातार संवाद बनाए रखूंगा। विधायक के इस पहल से गांव के लोगों में संतोष और उम्मीद दोनों दिखाई दी। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि उनके लंबे समय से चल रहे मुद्दों का समाधान अब जल्द मिलेगा।

वीर कुंवर सिंह सेतू से ब्रह्मपुर तक लगी रही वाहनों की लंबी कतारें, एनएच 922 पर बेतरतीब खड़े ट्रकों ने बिगाड़ा यातायात

बक्सर-डुमरांव में दूसरे दिन भी जाम का कहर, सदर विधायक ने लिया संज्ञान

- यूपी प्रशासन की कार्रवाई से बचने के लिए ट्रक खड़ी कर दे रहे है चालक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर और डुमरांव में ट्रैफिक जाम का संकट लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी बदस्तूर जारी रहा। गुरुवार को लगी भीषण जाम का दंश शुक्रवार को और गंभीर हो गया था। आलम यह था कि बिहारी-यूपी के बॉर्डर बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतू से लेकर ब्रह्मपुर तक एनएच 922 पर वाहनों की अंतहीन कतारें दिखीं। सबसे बड़ी वजह वही, यूपी सीमा पर ट्रकों की एंट्री रोकने के बाद बक्सर-डुमरांव मार्ग पर खड़े ट्रकों का दबाव, जो बेतरतीब तरीके से एक के बाद एक लाइन में खड़े रहे, जिस कारण पूरे रूट की रफ्तार थम गई।

दूसरे दिन भी जारी रही स्कूली बच्चों और मरीजों की मशक्कत

शुक्रवार की सुबह से ही बक्सर-डुमरांव पथ पर यातायात ध्वस्त रहा। वीर कुंवर सिंह सेतु के पास ट्रकों की इतनी लंबी पंक्ति खड़ी थी कि छोटे वाहनों के निकलने तक की जगह नहीं बची। ब्रह्मपुर की ओर जा रहे यात्रियों को भी घंटों तक रेंगकर आगे बढ़ना पड़ा। जाम की वजह से स्कूली बच्चों को फिर देर से स्कूल पहुंचना पड़ा। कई अभिभावकों ने कहा कि समस्या अब असहनीय हो गई है। गुरुवार को घंटों जाम में फंसे, आज फिर वही हालात दिख रहे हैं। उधर, मरीजों को ले जा रही एंबुलेंसें भी जाम में घंटों अटकी रहीं। ट्रैफिक पुलिस छोटे वाहनों को किनारे से निकालने की कोशिश में जुटी रही, लेकिन भारी वाहनों के दबाव के आगे सब प्रयास नाकाफी साबित हुए।

एनएच 922 पर ट्रकों की अव्यवस्थित पार्किंग से हालात बदतर

स्थानीय लोगों का कहना है कि जाम की सबसे बड़ी वजह एनएच 922 पर खड़े ट्रकों का अनियंत्रित तरीके से लगाया जाना है। गुरुवार की रात से ही ट्रक चालक जहां जगह मिली वहीं वाहन खड़ा कर देते हैं। इससे मुख्य लेन पूरी तरह ब्लॉक हो जाती है और दूसरा रास्ता बचता ही नहीं। डुमरांव और बक्सर के शहरी इलाकों तक इसका असर साफ दिखा। मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, बस स्टैंड और लिंक रोड तक वाहनों का बहाव अनियमित हो गया। डुमरांव रेलवे स्टेशन के लिए जा रहे कई यात्री ट्रेन तक समय पर नहीं पहुंच सके।

विधायक आनंद मिश्रा का संज्ञान, एसपी को दिए सख्त निर्देश

लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए बक्सर सदर विधायक आनंद मिश्रा ने शुक्रवार को इस पर संज्ञान लिया और एसपी शुभम आर्य को स्पष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि एनएच 922 पर ट्रकों को केवल एक ही लेन में खड़ा करने की कड़ी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि दूसरी लेन से सामान्य वाहनों की आवाजाही सुचारु रूप से हो सके। विधायक मिश्रा ने अधिकारियों को यह भी कहा कि ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन मिलकर ऐसे वैकल्पिक प्रबंधन तैयार करें जिससे किसानों, छात्रों, मरीजों और नौकरीपेशा लोगों को राहत मिल सके। उनके हस्तक्षेप के बाद स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि जाम से मिलने वाली राहत अब दूर नहीं।

लोगों में गहराते जा रही है नाराजगी

बक्सर और डुमरांव के लोगों का कहना है कि जाम अब अस्थायी समस्या नहीं, बल्कि रोजमर्रा की मुश्किल बन चुका है। एनएच 922 पर खड़े ट्रकों के कारण पूरे शहर की गति चरमराई हुई है। स्थानीय निवासी राजेश कुमार कहते हैं कि दो साल से डुमरांव बाइपास अधूरा है, उधर ट्रकों का दबाव बढ़ता जा रहा है। प्रशासन समय रहते कार्रवाई नहीं करता, तभी यह हाल है। कई लोगों ने आरोप लगाया कि गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी प्रशासन मौके पर सक्रिय नहीं दिखा। यह भी सवाल उठाया गया कि यूपी प्रशासन के निर्णय की सूचना समय रहते मिल जाती तो बिहार प्रशासन पहले से तैयारी कर सकता था।

स्थायी समाधान की मांग तेज

बक्सर और डुमरांव के व्यापारी, छात्र, ग्रामीण और नौकरीपेशा लोग रोजाना इस जाम से त्रस्त हैं। जाम का असर सिर्फ मुख्य सड़क पर नहीं, बल्कि शहर के हर हिस्से पर महसूस किया जा रहा है। छोटे दुकानदारों ने बताया कि जाम के कारण ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पाते, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ट्रकों की पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त की जाए। डुमरांव बाइपास का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। ट्रैफिक प्रबंधन के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया जाए तथा यूपी-बिहार सीमा पर समन्वय बढ़ाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो।

विधायक के हस्तक्षेप के बाद जगी उम्मीद की किरण

सदर विधायक आनंद मिश्रा के हस्तक्षेप के बाद लोगों में राहत की एक आशा दिख रही है। यदि एनएच 922 पर ट्रकों की एक लेन का पालन सख्ती से कराया गया, तो दूसरी लेन से छोटे वाहनों का परिचालन सुचारु हो सकेगा। फिलहाल, जाम से जूझ रहे बक्सर और डुमरांव के लोगों की यही उम्मीद है कि प्रशासनिक कदम जल्द प्रभावी हों और दो दिनों से थमा जनजीवन अब पटरी पर लौट सके।

एक नजर

हाई टेंशन तार बना खतरा, पंचायत भवन निर्माण स्थल पर मजदूर झुलसा, आक्रोश तेज

राजपुर। मंगराव पंचायत में निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन के पास गुजर रहा हाई टेंशन तार शुक्रवार को एक बड़ी दुर्घटना का कारण बनते-बच गया। दोपहर करीब 12 बजे भवन निर्माण में छड़ सेटिंग का काम कर रहे मजदूर काशीराम, जो उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के निवासी बताए जाते हैं, अचानक उस समय गंभीर रूप से झुलस गए जब उनके हाथ में पकड़ी छड़ का संपर्क ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन तार से हो गया। तेज विद्युत प्रवाह की चपेट में आते ही काशीराम मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मियों ने पहले प्राथमिक घरेलू उपचार किया, जिसके बाद घायल मजदूर को तत्काल एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है। एउघटना के बाद मजदूरों में भारी आक्रोश देखने को मिला। उनका कहना है कि कई महीनों से निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन बार-बार आग्रह करने के बावजूद हाई टेंशन तार को अभी तक नहीं हटाया गया। मजदूरों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर यह तार किसी भी वक्त बड़ा हादसा करा सकता है। उधर, निर्माण एजेंसी के कर्मियों ने बताया कि बिजली विभाग को तार हटाने के लिए पहले ही सूचित किया जा चुका है, लेकिन विभागीय कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। स्थानीय लोगों और मजदूरों ने प्रशासन से जल्द से जल्द हाई टेंशन लाइन को शिफ्ट करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी गंभीर दुर्घटना को रोका जा सके।

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर फूटा जनाक्रोश सिकटौना श्रीधराचार्य गुरूकुलम में पुतला दहन

बक्सर। मध्यप्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण बेटियों को लेकर दिए गए कथित विवादित एवं आपत्तिजनक बयान के खिलाफ शुक्रवार को सिकटौना श्रीधराचार्य गुरूकुलम में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। विश्वामित्र सेना के तत्वावधान में आयोजित इस आंदोलन में गुरूकुलम के छात्रों, शिक्षकों और संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने संतोष वर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया और राज्य सरकार एवं प्रशासन से त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रशासनिक सेवा जैसी जिम्मेदार पदवी संभालने वाले अधिकारी से ऐसी टिप्पणी की अपेक्षा नहीं की जा सकती। समाज के किसी भी वर्ग विशेष, खासकर बेटियों के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर असंवेदनशील बयान देना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी आहत करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मानसिकता न केवल प्रशासनिक मयार्दा के विपरीत है, बल्कि समाज में अनावश्यक तनाव और भेदभाव को भी बढ़ावा देती है। विश्वामित्र सेना के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि संतोष वर्मा का यह बयान सीधे-सीधे एक समुदाय की अस्मिता, परंपरा और सम्मान पर प्रहार है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज की बेटियां सदियों से ज्ञान, संस्कार और संस्कृति की प्रतीक रही हैं। ऐसे में उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली किसी भी टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सेना के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि संबंधित अधिकारी के खिलाफ शीघ्र अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ा आंदोलन खड़ा करने को बाध्य होगा। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने कहा कि गुरूकुलम जैसे संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए यह केवल विरोध का विषय नहीं, बल्कि संस्कृति और मानवता की रक्षा का प्रश्न है। उनका कहना था कि एक आईएएस अधिकारी द्वारा इस तरह की टिप्पणी प्रशासनिक आचार संहिता का भी स्पष्ट उल्लंघन है, जिस पर तुरंत संज्ञान लिया जाना चाहिए। वक्ताओं ने यह भी कहा कि समाज में किसी भी वर्ग के प्रति विद्वेष फैलाने वाली सोच को बढ़ावा देना राष्ट्रहित में नहीं है। ऐसी मानसिकता रखने वाले अधिकारियों को सेवा में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। सरकार से मांग की गई कि वे मामले का संज्ञान लेकर उचित जांच कराएं और सार्वजनिक तौर पर इस तरह की टिप्पणियों के लिए उत्तरदायी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।

केसठ में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई का निर्देश

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड मुख्यालय स्थित किसान भवन के प्रांगण में शुक्रवार को लंबे अंतराल के बाद प्रखंड उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी पर सख्त रोक लगाने के मुद्दे प्रमुख रूप से छाए रहे।

बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने विभागीय पदाधिकारियों से कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी दर पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी किसानों द्वारा झेली जा रही दिक्कतों को जोरदार तरीके से रखा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह, बीडीओ विजय कुमार सौरभ ने बीएओ और कृषि समन्वयकों की बातों को सुनने के बाद निर्देश दिया कि प्रखंड क्षेत्र के सभी खाद विक्रेताओं की दुकानों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान लापरवाही या अनियमितता मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य किसानों को समय पर और उचित दर पर रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराना है। वहीं प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम् पटेल ने कहा कि सभी खाद दुकानों पर सूचना पट्टी पर प्रतिदिन स्टॉक और बिक्री मूल्य अनिवार्य रूप से अंकित रहना चाहिए। साथ ही संबंधित सभी रजिस्टर पूरी तरह अपडेट हों। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी खाद विक्रेता पर मनमाने दाम पर खाद बेचने की शिकायत मिलती है, तो उसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत तत्काल कार्रवाई होगी। बैठक में किसान सलाहकार अमरेन्द्र प्रसाद, विजय कुमार, रितेश कुमार, प्रफुल कुमार सहित कई उर्वरक विक्रेता मौजूद रहे।

धान की फसल की कटाई नहीं, रबी बुआई का समय निकलता जा रहा, खेतों में पानी और किसानों की बढ़ी चिंता

केटी न्यूज/बक्सर

जिला समेत प्रखंड में इस वर्ष लगातार बारिश और खेतों में पानी जमाव के कारण धान की फसल की कटाई गंभीर संकट में पड़ गई है। खेतों में अब भी पानी भरा होने से कटाई मशीनों का प्रवेश संभव नहीं हो पा रहा है, जबकि हाथ से कटाई करना किसानों के लिए समय, श्रम और लागत तीनों ही दृष्टि से बेहद कठिन साबित हो रहा है। वहीं दूसरी ओर रबी मौसम की बुआई का उपयुक्त समय तेजी से निकलता जा रहा है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि धान की फसल तैयार होने के बावजूद खेतों में पानी भरा है। कई जगहों पर जलजमाव इतना अधिक है कि फसल कटने के बजाय सड़ने लगी है। सबसे अधिक परेशानी उन किसानों को हो रही है जिनकी फसल मैंथा और निचले भूभाग वाले इलाकों में है। यहां खेतों में जमा पानी निकालने के लिए किसान पम्पिंग सेट का सहारा ले रहे हैं, जिससे डीजल, किराया और संचालन की लागत और बढ़ गई है। ग्राम पंचायतों के किसानों ने बताया कि जहां खरीफ की फसल अब तक घर नहीं पहुंची, वहीं रबी फसल की बुवाई की उम्मीद भी धुंधली होती जा रही है। गेहूं, चना, मसूर और मटर की बुआई के लिए नवंबर का अंतिम सप्ताह और दिसंबर का शुरूआती समय अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन मौजूदा हालात से खेत तैयार नहीं हो पा रहे हैं। किसानों ने आशंका जताई है कि यदि अगले एक सप्ताह में खेतों की स्थिति सामान्य नहीं हुई तो रबी की बुआई पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, जिससे सालभर की आमदनी पर गहरा असर होगा। किसानों ने कृषि विभाग और प्रशासन से मांग की है कि खेतों से पानी की निकासी, जल निकास नालों की सफाई, तथा प्रभावित किसानों के लिए राहत और अनुदान पर तत्काल पहल की जाए। उनका कहना है कि मौसम, लागत और समय, तीनों के दबाव में खेती करना लगातार जोखिमपूर्ण होता जा रहा है और यदि स्थिति ऐसी ही रही तो खेती छोड़ने की नौबत आ जाएगी। कृषि विशेषज्ञों ने भी माना है कि देर से कटाई और बुआई दोनों से उत्पादन में भारी गिरावट की संभावना है। जिले में बड़ी संख्या में किसान इस संकट से जूझ रहे हैं और समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सुमित्रा महिला महाविद्यालय में कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए थानाध्यक्ष का सघन निरीक्षण

- सुरक्षा घेरा मजबूत, पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर

केटी न्यूज/डुमरांव

सुमित्रा महिला महाविद्यालय में बीए सत्र 2023-27 के पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा शुक्रवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थानीय थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने खुद मोर्चा संभाला। परीक्षा आरंभ होने से पहले ही वे महाविद्यालय परिसर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था तथा परीक्षा संचालन की व्यापक समीक्षा की।

थानाध्यक्ष ने सबसे पहले मुख्य प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा कर्मियों से जांच प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना गहन तलाशी के किसी भी छात्रा को परीक्षा कक्ष में प्रवेश न दिया जाए। उनके अनुसार, परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता है, किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने और भीड़ प्रबंधन पर विशेष निगरानी रखने की हिदायत दी गई।

इसके बाद थानाध्यक्ष सिन्हा विभिन्न परीक्षा कक्षों का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने कक्षाओं में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की और फुटेज रिकॉर्डिंग की निरंतरता को सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी निगरानी से कदाचार की संभावनाएं न्यूनतम हो जाती हैं और हर स्तर पर पारदर्शिता बनी रहती है।

निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शोभा सिंह ने थानाध्यक्ष को चल रही परीक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी कक्षाओं में शांतिपूर्ण माहौल है, छात्राएं अनुशासित ढंग से परीक्षा दे रही हैं और कॉलेज प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक प्रबंध किए जा चुके हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार की सतर्कता से परीक्षा प्रणाली पर छात्रों और अभिभावकों का विश्वास और मजबूत होता है।

थानाध्यक्ष ने कॉलेज प्रशासन की तैयारी और व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस की ओर से पूरे परीक्षा अवधि के दौरान पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित, शांतिपूर्ण और कदाचार रहित माहौल में संपन्न हो।

सुरक्षा बलों की मुस्तैदी, सीसीटीवी निगरानी और कॉलेज प्रशासन की सख्त व्यवस्था की बदौलत परीक्षा का पहला दिन पूरी तरह शांतिपूर्ण नजर आया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और कॉलेज प्रशासन की संयुक्त पहल की सराहना की।

नारायण हत्याकांड : तीन दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

बड़का ढकाइच गांव के किशोर नारायण जी दुबे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। तीन दिन पहले लेवाड़ गांव के पास लावारिस हालत में मिला शव कई गहरे सवाल छोड़ गया है, जिनके जवाब तलाशने में पुलिस अभी तक जूझ रही है।

सूत्रों के अनुसार, किशोर जिस बारात में खाना खाने गया था, वहां से उसके निकलने का समय और दिशा अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे पुलिस को हत्याकांड की कड़ी जोड़ने की उम्मीद है। जांच दल का मानना है कि फुटेज में मौजूद कुछ गतिविधियाँ मामले का रुख पूरी तरह बदल सकती हैं।

थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि पुलिस कई महत्वपूर्ण सुरागों पर काम कर रही है और अपराधियों तक पहुंचने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही इस हत्याकांड से पर्दा उठाया जाएगा तथा घटनास्थल के आसपास देखे गए संदिग्धों को चिह्नित कर गिरफ्तारी की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

स्थानीय लोगों में घटना को लेकर दहशत और आक्रोश दोनों है, जबकि परिवार न्याय की उम्मीद में पुलिस की तेज कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

बेटियों के खिलाफ आईएएस अधिकारी की अभद्र टिप्पणी को ले मानवता सेवा संघ के ब्राह्मण समाज में नाराजगी व्याप्त

केटी न्यूज रोहतास

भोपाल के आईएएस संतोष बर्मा के द्वारा ब्राह्मण के लड़कियों के खिलाफ किए गए अभद्र टिपण्णी की आच अब मध्य प्रदेश से निकलकर बिहार तक पहुंच गई है। मानवता सेवा संघ के सैकड़ो लोगों ने एक बैठक कर निंदा प्रस्ताव पास किया। मानवता सेवा संघ के सभी सदस्यों ने कहा कि इस तरह बहन बेटी चाहे किसी का हो लगाकर गाली देना निंदनीय है।बिहार के रोहतास जिले में कई ब्राह्मण समाज से जुड़े संगठन के लोगों में भी भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है तथा संतोष बर्मा की अभद्र टिपण्णी की कड़ी निंदा करते हुए ।मानवता सेवा संघ ने मध्य प्रदेश सरकार से तत्काल सेवा से बर्खास्त कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मानवता सेवा संघ ने सोशल मीडिया में प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा धार्मिक वो जातीय उन्माद फैलाने को लेकर किए गए अभद्र टिपण्णी तेजी से वायरल हो रहा है और लोग अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार पर दबिश बना रहे है कि बड़बोलेपन आईएएस अधिकारी संतोष बर्मा पर सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय। आज मानवता सेवा संघ के सदस्यों ने काराकाट रविकांत तिवारी शिक्षक के निवास पर बैठक कर साफ शब्दों में कहा कि संतोष वर्मा जैसे जाहिल को तत्काल निलंबित कर कानूनी कार्यवाही किया जाय।बेटी बेटी होती है चाहे वह किसी की बेटी हो अभद्र टिप्पणी करना बिल्कुल गलत है इसे माफ नहीं किया जाना चाहिए।मौके पर मानवता सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दूबे,उपाध्यक्ष गुड्डु उपाध्याय, सचिव अखिलेश तिवारी, महासचिव दशरथ मिश्रा,योगेंद्र तिवारी, श्रीकांत गिरी,कौशल किशोर पाण्डेय, ददन पाण्डेय,रविकांत तिवारी, रजनी कान्त पाण्डेय, अभिषेक पांडेय, कुंदन पाण्डेय जितेंद्र दुबे, संतोष उपाध्याय, मनोज तिवारी, अरविंद मिश्रा, शेषनाथ तिवारी, गुप्तेश्वर तिवारी, चंद्रभान दुबे, पत्रकार राजीवरंजन दुबे, प्राचार्य दशरथ मिश्रा,अटल तिवारी,सहित सैकड़ो लोगों ने भाग लिया।

देश-विदेश से भोजपुरी के बड़े-बड़े विद्वानों का जुटान होगा

अमनौर में आयोजित होगा अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, उद्घाटन करेंगे डिप्टी सीएम सम्राट

एजेंसी/पटना

बिहार के अमनौर में एक बार फिर अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन होने जा रहा है। समारोह का विधिवत उद्घाटन बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे, जबकि समापन का दायित्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा निभाएंगे। आयोजन से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अमनौर उच्च विद्यालय के खेल मैदान में तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें देश-विदेश से भोजपुरी के बड़े-बड़े विद्वानों का जुटान होगा। सम्मेलन की जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. संजय मयूख ने शुक्रवार देर शाम आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि

कार्यक्रम में कई मंत्री, सांसद, विधायक, कवि, साहित्यकार, भोजपुरी फिल्म अभिनेता-अभिनेत्री और विभिन्न देशों से आने वाले भोजपुरी विद्वान व गणमान्य लोग शामिल होंगे। अमनौर बाजार से लेकर कार्यक्रम स्थल तक दर्जनों तोरण द्वार बनाकर स्वागत की विशेष व्यवस्था की गई है।उद्घाटन समारोह में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह, पथ निर्माण एवं नगर विकास मंत्री नितीन नवीन, स्थानीय सांसद राजीव प्रताप रूडी, महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी समेत कई दिग्गज हस्तियां मौजूद रहेंगी। उसम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. ब्रज भूषण मिश्र ने बताया कि 43 साल बाद अमनौर फिर से इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है। वर्ष 1982 में अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन का 7वां संस्करण यहां भव्य रूप से आयोजित किया गया था, जिसकी यादें आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। इस बार आयोजन समिति उसी भव्यता को दोबारा साकार करने की तैयारी में जुटी है और टीम लगातार कार्यरत है। उसम्मेलन के महामंत्री एवं भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के भोजपुरी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. जय कुमार सिंह जय ने बताया कि वैदिक काल से लेकर आधुनिक समय तक भोजपुरी भाषा में आए परिवर्तनों पर विशेष गोष्ठी का आयोजन होगा। साथ ही, भोजपुरी भाषा के विकास तथा इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की रणनीति का भी निर्धारण किया जाएगा। स्वागत सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उद्घाटन से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से इस महत्वपूर्ण आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।कार्यक्रम की तैयारी और प्रबंधन को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है। प्रेस वार्ता के दौरान सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह, भाजपा नेता धर्मेंद्र साह, मेयर पद की पूर्व प्रत्याशी चांदनी प्रकाश सहित कई पदाधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

काराकाट थाना क्षेत्र में दो वर्ष पुराने मारपीट के मामले में हत्या के दो अभियुक्त गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट थाना क्षेत्र में दो वर्ष पहले हुई मारपीट के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने कांड संख्या 197/23 के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार, कस्थ्य बहुआरा गांव निवासी रामबचन राम पर आरोपियों ने मारपीट की थी, जिसके चलते इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृतक के पुत्र विनोद राम ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया था।

पुलिस ने गुरुवार देर रात को कास्थ्य बहुआरा गांव के मुंद्रिका राम के पुत्र लंगटू राम को बडीहा मोड़ के पास एक टायर की दुकान से गिरफ्तार किया। वहीं दाउदनगर मोड़ के पास पेट्रोल पंप के पीछे खोली से विकास राम को पुलिस ने दबोचा। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक

प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में किसी भी अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान जारी है।

उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। चुनाव के दृष्टिगत क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त को और तेज कर दिया गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा का सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद जताई गई है।

काराकाट थाना क्षेत्र के बड़िहा मोड़ बसडीहा में स्थित महादेव डिजिटल धर्म कांटा पर की गई बड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने गुरुवार शाम काराकाट थाना क्षेत्र के बड़िहा मोड़ बसडीहा में स्थित महादेव डिजिटल धर्म कांटा पर बड़ी कार्रवाई की। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ने अवैध रूप से पीले बालू के भंडारण और जेसीबी से बालू उठाव को लेकर छापेमारी की। खनन इंस्पेक्टर अमित कुमार एवं पुलिस के साथ उन्होंने अवैध बालू और जेसीबी को जप्त कर लिया। निरीक्षण में लगभग 2975 सीएफटी पीला बालू अवैध पाया गया। यह कार्रवाई बिहार खनिज समानुदान और अवैध खनन नियमावली 2019 और संशोधित 2024 नियमावली के तहत की गई। खनन इंस्पेक्टर ने बताया कि धर्मकांटा स्थल पर केवल वाहनों का माप तोल करने का नियम है, बालू भंडारण व परिवहन के लिए कोई अनुमति नहीं है। जेसीबी

सहित बालू जप्त कर कोर्ट में विधिक कार्रवाई की जा रही है। धर्मकांटा मालिक अभिषेक कुमार ने जमीन निजी बताकर कार्रवाई को गलत बताया और अधिकारियों से पुनर्विचार की मांग की है। अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने कहा कि अवैध बालू भंडारण रोकने के लिए सख्त कदम आगे भी उठाए जाएंगे।

एक नजर

देशी कट्टा के साथ पुलिस ने एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

रोहतास। संझौली थाना क्षेत्र के उदयपुर से शुक्रवार को देशी कट्टा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर ली है। थानाध्यक्ष पुनम कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिला की उदयपुर में विजय पासवान पिता स्व० नगीना पासवान के दलान के पीछे अवैध कट्टा रखा हुआ है। इस सूचना के बाद पुलिस उदयपुर विजय पासवान के दलान पर पहुंची तो पुलिस गाड़ी को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। पुलिस बल के सहयोग से भागते हुए व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकडाए व्यक्ति से नाम पता पूछने पर विजय पासवान उम्र करीब 42 वर्ष पिता स्व० नगीना पासवान बतलाया। अवैध कट्टा के संबंध में पूछताछ किया तो टाल मटोल करने लगा तब सख्ती से पूछताछ करने पर बताया कि दलान के पीछे झाड़ी में रखा हुआ है, तब अवैध कट्टा को बरामद करने के लिए खोजबीन शुरू किया गया। इस दौरान दलान के पीछे झाड़ी में एक पीला रंग के प्लास्टिक में देशी कट्टा बरामद हुआ। देशी कट्टा और गिरफ्तार व्यक्ति के साथ थाना वापस लाया गया। इस मामले प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार व्यक्ति को जेल भेज दिया गया।

बिक्रमगंज सब्जी बाजार के पास से हुई एक बाइक की चोरी, प्राथमिकी दर्ज

रोहतास। बिक्रमगंज शहर के सासाराम रोड में स्थित सब्जी बाजार के पास से एक बाइक की चोरी कर ली गई है। इस संबंध में बाइक मालिक ने शुक्रवार को बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मानी निवासी कुशजी कुमार पिता रा बहादुर सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है की वह गुरुवार को संध्या 6 बजे अपने विद्यालय से आ कर सब्जी लेने के लिए बिक्रमगंज शहर के सासाराम रोड स्थित सब्जी के पास अपनी हीरो स्पलेंडर बाइक खड़ी कर सब्जी लेने के लिए बाजार में अंदर चला गया। सब्जी लेने के बाद जब वापस आया तो बाइक वहाँ नहीं थी। जिसका मोटर साइकिल नं इफ्र26ल्ल7336, हीरो स्पेलैंडर चेचीस नं MBLHA10BFFHA08110, इंजन नं - HAIDERFHA46876 है। काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला तो इसकी सूचना मोबाइल से पुलिस को दी। फिर दूसरे दिन यानि शुक्रवार को लिखित सूचना दी है। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर बाइक की तलाश की जा रही है।

जमीन बन्दोबस्ती के पन्द्रह आवेदकों के भूमि का सीओ ने किया जांचे

रोहतास । भूमिहीनों को जमीन बंदोबस्त किए जाने के लिए बुधवार को अंचलाधिकारी पिंटू कुमार द्वारा क्षेत्र के तीन गांव में 15 आवेदको के लिए भूमि का जांच किया गया.पंचायत समिति बैठक के दौरान भूमिहिनों को जमीन उपलब्ध कराने को लेकर प्रस्ताव पारित हुआ है.जिसके आलोक में राजपुर में तीन आवेदक, बरना के आठ एवं सियांवक के चार आवेदकों को भूमि उपलब्ध कराने के लिए जांच करते हुए पैमाईस कराई गई है. बंदोबस्ती की कार्रवाई पूर्ण करने के लिए रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेज दिया गया.

साप्ताहिक श्रीमद् भागवत पुराण ज्ञान जग संपन्न

रोहतास । काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर गांव में साप्ताहिक श्रीमद् भागवत पुराण ज्ञान यज्ञ संपन्न हुआ। 22/ 11/ 25 से 28/ 11/ 25 तक साप्ताहिक श्रीमद् भागवत पुराण ज्ञान यज्ञ आचार्य अवध बिहारी पांडेय के सानिध्य में संपन्न हुआ । आचार्य अवध बिहारी पांडेय ने ज्ञान यज्ञ के उपलक्ष में बताया कि श्रीमद् भागवत पुराण ज्ञान यज्ञ से सुख समृद्धि ,कस्ट, विघ्न बाधा समाप्त होती है इस ज्ञान यज्ञ में सैकड़ो लोगों ने भाग लेकर के आचार्य द्वारा प्रवचन को सुनकर के अमृत वचन श्रवण किया तथा अपने जीवन में भागवत पुराण के मुताबिक चलने का निश्चय किया इस ज्ञान यज्ञ में आचार्य और बिहारी पांडेय ,पंडित दशरथ मिश्रा, पंडित गुड्डु बाबा, पंडित शिवकुमार पांडेय ने अपने आशीर्वाद वचनों के द्वारा एवं पूजा पाठ के द्वारा लोगों को संतुष्ट किया श्रीमद् भागवत पुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पुरोहित दशरथ पांडेय ,कामेश्वर पांडेय एवं पूरे परिवार के साथ बड़ी ही श्रद्धापूर्वक भाव विभोर होकर के यज्ञ को पूर्ण किया इस अवसर पर प्रसाद ग्रहण करने के लिए सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित हुए ।

काराकाट थाना क्षेत्र में मारपीट के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार गया जेल

रोहतास। थाना पुलिस ने मारपीट के गंभीर मामले में कांड 518/25 के तहत कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया है। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि किरही गांव निवासी 30 वर्षीय जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जो गांव निवासी कामता सिंह का पुत्र है। उन्होंने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार कड़ी निगरानी जारी है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है और आम जनता से अपील की है कि वे कोई भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर सख्त कार्रवाई की जा सके। चुनाव को देखते हुए पुलिस ने अपराधियों पर सख्त छापेमारी तेज कर दी है और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त गश्त की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में सुरक्षा के माहौल को मजबूत करने में सफल रही है और आगे भी ऐसा ही सतर्कता पूर्वक काम जारी रहेगा।

बिहार विधान मंडल का सत्र 1 दिसंबर से शुरू, सभापति ने दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/पटना

नई सरकार बनने के बाद बिहार विधान मंडल का सत्र 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। इसको लेकर आज बिहार विधान सभा के मुख्य भवन स्थित वाचनालय में एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक की अध्यक्षता बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने की। बैठक में बिहार विधान मंडल सत्र के दौरान सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, चिकित्सा, सफाई, पार्किंग सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से कैसे किया जाय इस बात पर चचाएं हुई।बैठक के दौरान बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि आगामी सत्र अष्टादश बिहार विधान सभा का प्रथम सत्र होगा ।इस सत्र के दौरान 1 दिसंबर को नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा। 2

दिसंबर को बिहार विधान सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। 3 दिसंबर को विस्तारित भवन के सेंट्रल हॉल में बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के संयुक्त बैठक में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण होगा और 4 दिसंबर को महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर वादझविवाद एवम् सरकार का उत्तर होगा। साथ ही, 5 दिसंबर को द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी पर वादझ विवाद होगा एवम् इससे संबंधी विनियोग विधेयक पेश किया जायेगा। बैठक के दौरान बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों के पदाधिकारी विधान सभा सचिवालय के साथ सामंजस्य स्थापित कर सभी कार्यों का ससमय एवं सुचारू रूप से निष्पादन कराएँ। उन्होंने विधान सभा एवं परिषद् में लगे सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, चिकित्सा, सफाई, पार्किंग सहित अन्य सभी व्यवस्थायें चाक-चौबंद कर लेने का निर्देश दिया। उन्होंने बैठक में उपस्थित नगर निगम के अधिकारियों को वीरचंद पटेल पथ स्थित नवनिर्मित विधायक आवासों में सफाई, जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति तथा स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया। इस मौके पर मौजूद संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आश्वस्त किया कि सरकार विधानमंडल के प्रति अपनी जिम्मेवारी के निर्वहन के प्रति सदा मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि चूंकि अठारहवीं विधान सभा का यह पहला सत्र है, इसलिए सत्र के दौरान सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका अधिकारी विशेष रूप से ध्यान रखें। इस बैठक में गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक डॉ० कमल किशोर सिंह, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक वैभव श्रीवास्तव, भवन निर्माण विभाग के संयुक्त सचिव शिव रंजन सहित कई विभागों के पदाधिकारी एवं पटना के जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस एम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा तथा नगर आयुक्त यशपाल मीणा एवं सिविल सर्जन सहित ख्याति सिंह, प्रभारी सचिव, बिहार विधान सभा एवं अखिलेश कुमार झा, सचिव, बिहार विधान परिषद् मौजूद थे

बरांव पंचायत में हुआ स्वच्छता का समीक्षात्मक बैठक

वित्तीय वर्ष 26-27 में विकास कार्यो के लिए योजना देने को कहा गया

केटी न्यूज/रोहतास

बरांव पंचायत सरकार भवन पर शुक्रवार को लोहिया बिहार स्वच्छ मिशन पंचायत कर्मियो की बैठक बलॉक कोआर्डिनेटर अनिल कुमार के अध्यक्षता में हुआ.जहा पंचायत अन्तर्गत संचालित स्वच्छता कार्यों की समीक्षा की गई. जानकरी देते हुए बीसी ने बताया कि बैठक में मौजूद पंचायत के सभी 12 वार्डों के स्वच्छता कर्मी, डब्लूपीओ और ईरिक्शा कर्मी एवं पर्यवेक्षक के मौजूदी में स्वच्छता कार्य की अद्यतन जानकारी लिया गया. प्रत्येक घर से सुखा गिला कचरा उठाव, रिक्शा एवं ईरिक्शा की वर्तमान कंडिशन एवं रख रखाव,डब्ल्यूपीओ पर कचरा प्रबन्धन को लेकर चर्चा हुआ.कर्मियो का आठ माह से बकाया मानदेय भुगतान के बारे में चर्चा

हुआ.सभी बकाया मानदेय जल्द से जल्द भुगतान करने के बारे में जानकरी दी गई.बैठक के दौरान बीसी ने कहा कि स्वच्छता को लेकर अगर किसी जनता को कहीं कोई शिकायत है तो वे जानकारी दें.लापरवाही करने वाले कर्मी को हटाया जायेगा. उन्होने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पंचायत अन्तर्गत विकास कार्यों के लिए ग्रामीणों, वार्ड सदस्य एवं समाजिक कार्यकर्तओं के मौजूदी में मुखिया बेबी देवी के अध्यक्षता में बैठक किया गया. सम्बन्धित लोगों को अपने वार्ड में विकास कार्यों का योजना तैयार करके मंजुरी हेतु सम्बन्धित कार्यालय को प्रदान करने के लिए कहा गया. मौके पर पंचायत सचिव अमित कुमार,विकास मित्र विश्वकर्मा प्रसाद,किसान सलाहकार नागेन्द्र कुमार,समाजसेवी राजू कुमार सिंह,उप मुखिया रामभजन सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे.

शराब, बालू और जमीन माफिया को किसी भी हालत में नहीं छोड़ेंगे : सम्राट चौधरी

एजेंसी। पटना

बिहार में बेलगाम हो चुके अपराधियों पर लगाम कसने की पूरी तैयारी प्रदेश के गृह मंत्री व डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पूरी कर ली है। कुछ दिनों में यह दिखाई भी देगा। बिहार में बढ़ते क्राइम को रोकने के लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। बिहार के गृह मंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए मंच से कह दिया है कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। तीन तरह के माफिया को तो किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जाएगा। सम्राट चौधरी ने शराब माफिया, बालू माफिया और जमीन माफिया पर कार्रवाई करने की योजना तैयार कर ली है। अभी 400 लोगों को चिन्हित किया गया है इन सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा वही1200 और अपराधियों की पहचान कर ली गयी है, इन सभी को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। मंच से संबोधित करते हुए बिहार के गृह मंत्री ने तीन तरह के माफिया को खुली चेतावनी दे दी है। उनका कहना था कि तीन तरह के माफिया को किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जाएगा। हम पूरे राज्य में सीसीटीवी कैमरा लगायेंगे और पूरी व्यवस्था को खड़ा करेंगे। कोई भी अपराधी इन कैमरों से बच नहीं पाएगा। खासतौर पर जमीन माफिया, शराब माफिया और बालू माफिया को चिन्हिंत करेंगे और इन तमाम लोगों को न्यायालय के आदेश के बाद ध्वस्त करेंगे। अभी तक 400 लोगों को चिन्हित किया है और अभी 1200 लिस्ट बनाया गया है। इन तमाम लोगों को जेल के अंदर भेज कर रहेंगे।

10 हजार पाने वाली जीविका दीदियों ने बताई अपनी कहानी
सीएम नीतीश बोले- बिहार का और तेजी से विकास होगा

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की राशि 10 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में डीबीटी के जरिए भेज दी है। उन्होंने 10 हजार रुपये प्रति लाभुक की दर से 1000 करोड़ रुपये की राशि का रिमोट का बटन दबाकर अंतरण किया। इसके पूर्व एक करोड़ 46 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 14 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि भेजी जा चुकी है। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महिला लाभुकों से बातचीत की। महिलाओं ने सीएम नीतीश कुमार को धन्यवाद करते हुए कहा कि 10000 की राशि से काफी मदद मिली है इससे वह अपना रोजगार शुरू कर चुकी है और अपनी जरूरत को पूरा कर पा रही हैं। आइए जानते हैं प्रमुख तीन महिलाओं ने और क्या क्या अनुभव साझा किए.10 हजार से किराना दुकान शुरू की'। पश्चिम चंपारण से ओम जीविका समूह की ओर से जुड़ीं सुनीता देवी ने बताया कि जीविका से जुड़ने पर उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये की राशि मिलते ही उन्होंने बाजार क्षेत्र में एक किराना दुकान शुरू की। रोजाना लगभग 1000 रुपये की बिक्री हो रही है। वे दुकान को और विकसित करना चाहती हैं तथा आगे सहायता मिलने पर विस्तार की योजना है। उन्होंने 125 यूनिट फ्री बिजली, नलझजल, बेटी को मैट्रिक में 10 हजार की सहायता, और वृद्धजन पेंशन बढ़ोतरी का लाभ मिलने की भी जानकारी दी। वहीं भागलपुर से कनक जीविका समूह की फूलन कुमारी ने कहा कि जीविका से जुड़ने के बाद निर्णय लेने की क्षमता बढ़ी है। योजना से मिली 10,000 रुपये की राशि से किराना दुकान शुरू की, जिससे परिवार का भरण-पोषण बेहतर हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

अब घर की जरूरतें पूरी होने लगी है

इधर, दरभंगा की प्रगति जीविका समूह की फूल देवी ने बताया कि 10,000 रुपये मिलने पर उन्होंने सिलाई मशीन खरीदकर काम शुरू किया। अब घर की जरूरतें पूरी होने लगी हैं। आगे सहायता मिलने पर सिलाई सेंटर खोलकर अन्य दीदियों को रोजगार देने की इच्छा जताई। उन्होंने सरकारी योजनाओं जैसे 125 यूनिट मुफ्त बिजली, नलझजल, पोशाक-साइकिल योजना, और वृद्धजन पेंशन बढ़ोतरी का लाभ मिलने की बात कही।

बिहार का और तेजी से विकास होगा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसे 'जीविका' नाम दिया। अब स्वयं सहायता समूह में 'जीविका दीदियों' की संख्या एक करोड़ 40 लाख हो गयी है। वर्ष 2024 से शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है जिसमें लगभग चार लाख 34 हजार जीविका दीदियां हैं। इनका गठन लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सभी महिलाओं को इस 10 हजार रुपये की राशि से अपना काम शुरू करने में काफी मदद मिलेगी। इससे आपका परिवार खुशहाल होगा तथा बिहार का और तेजी से विकास होगा। आज के कार्यक्रम में तीनों लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किये हैं। महिलाओं में आत्मविश्वास देखकर मुझे खुशी होती है। हमलोग सभी लोगों के विकास के लिये लगातार काम कर रहे हैं। केन्द्र सरकार का भी राज्य के विकास में पूरा सहयोग मिल रहा है। आगे सबके विकास के लिये काम करते रहेंगे।

एक नजर

बहन की शादी से ठीक एक दिन पहले भाई की मौत, हिरासत में एसयूवी चालक

मझौलिया। पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के धोकराहा चौक के निकट शुक्रवार को एक तेज रफ्तार एसयूवी ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 18 वर्षीय अमित कुमार भगत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 19 वर्षीय चचेरा भाई पवन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक अमित सेनुवरिया गांव के निवासी थे तथा उनकी बहन की शादी शनिवार को निर्धारित थी। वे शादी के लिए कपड़े एवं अन्य सामग्री खरीदने बगहा अपनी बड़ी बहन के घर जा रहे थे। अमित के पिता योगेंद्र भगत ने बताया है कि शुक्रवार को कथा मटकोर तथा हल्दी की रस्में आयोजित होने वाली थीं। चार बेटियों की परवरिश के बाद अमित उनका इकलौता पुत्र था। हादसे के समय वे बगहा की ओर जा रहे थे जब एसयूवी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। पवन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेतिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार का आरोप है कि ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था। मझौलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया है कि सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा एसयूवी को जब्त कर लिया गया है। ड्राइवर की पहचान पूर्वी चंपारण के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के नुनिया टोला निवासी दिनेश साह के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक का शव पोस्टमॉर्टम हेतु राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बेतिया भेज दिया गया। पीड़ित परिवार द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराने के पश्चात आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आम जनता पर रौब झाड़ने वाले पुलिसकर्मी हो जाएं सावधान, डीजीपी ने कार्रवाई करने का दे दिया है आदेश

पटना। बिहार पुलिस की छवि को लेकर पुलिस महानिदेशक ने कड़ा रुख अपनाया है। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को आम नागरिकों के साथ शिष्टाचार पूर्वक व्यवहार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता के साथ असभ्य व्यवहार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे कर्मियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। 24 नवंबर 2025 को आयोजित कल्याण कोष की बैठक में बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बेहतर पुलिसिंग पर चर्चा की। इसी क्रम में डीजीपी विनय कुमार ने हाल की उन घटनाओं का हवाला दिया, जब पुलिसकर्मियों के असभ्य व्यवहार के मामले सामने आए थे। डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि हाल ही में पटना जिले के नदी थाना और कटिहार जिले के बारसोई थाना के कुछ पुलिसकर्मियों को नागरिकों के साथ असभ्य व्यवहार के चलते निलंबित किया गया है। उन्होंने इस तरह की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे न केवल बिहार पुलिस की छवि धूमिल होती है, बल्कि आम जनता के बीच जनविश्वास और सहयोग में भी कमी आती है।बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने सभी अधीनस्थ पुलिस पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से यह निर्देश जारी करने को कहा है। उन्होंने कहा कि वे नागरिकों के साथ शिष्टाचार पूर्ण वातार्लाप करें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन नियमानुसार करें। जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि नागरिकों के साथ असभ्य व्यवहार करने वाले पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महानिदेशक के इस कड़े रुख से साफ है कि विभाग अब नागरिक केंद्रित पुलिसिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और अनुशासनहीनता को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

सीवान में विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई, राजस्व कर्मचारी 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एजेंसी। सीवान

सीवान के हसनपुरा प्रखंड क्षेत्र के गोपालपुर गांव में शुक्रवार को विजिलेंस की छह सदस्यीय टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी दिलीप कुमार सिन्हा को 15 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों दबोच लिया। दिलीप के निजी कार्यालय पर छापेमारी के दौरान टीम ने वहां मौजूद एक निजी कंप्यूटर ऑपरेटर धनंजय को भी हिरासत में ले लिया है। विजिलेंस टीम का नेतृत्व डीएसपी श्याम बाबू कर रहे थे।डीएसपी ने बताया कि हसनपुरा निवासी शिकायतकर्ता श्रेषराज सिंह ने 10 नवंबर को विजिलेंस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि दिलीप कुमार सिन्हा द्वारा परिमार्जन के नाम पर 65 हजार रुपये की अवैध मांग की जा रही है। शिकायतकर्ता का आरोप था कि पैसे नहीं देने पर दिलीप ने उनके आवेदन को दो बार रद्द कर दिया। इसके बाद दिलीप ने पार्ट वाइज रुपये देने की बात कही, जिसके तहत पहले चरण में 15 हजार रुपये की मांग की गई थी। शिकायत की जांच के लिए विजिलेंस टीम ने गोपनीय रूप से सत्यापन कराया। जांच में शिकायत सत्य पाई गई, जिसके बाद 26 नवंबर को दिलीप के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। शुक्रवार को तय योजना के तहत छह सदस्यीय टीम गोपालपुर स्थित दिलीप के निजी कार्यालय पर पहुँची। इसी दौरान शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये लेते हुए दिलीप को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। मौके से एक निजी ऑपरेटर धनंजय को भी पूछताछ के लिए सीवान परिसदन लाया गया। डीएसपी श्याम बाबू ने बताया कि दिलीप और धनंजय दोनों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच के बाद दिलीप को हिरासत में लेकर पटना विजिलेंस दफ्तर ले जाया जाएगा। यदि जांच में धनंजय की संलिप्तता साबित होती है तो उसे भी विधि-सम्मत कार्रवाई के तहत पटना ले जाया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई पूरी होने के बाद जेल भेजा जाएगा।विजिलेंस की इस कार्रवाई से प्रखंड क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई: इंस्पेक्टर माधव ठाकुर के घर और ऑफिस में छापेमारी, आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

एजेंसी। पटना

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी की कार्रवाई लगातार जारी है। आय से अधिक संपत्ति के खिलाफ विजिलेंस की टीम ने 2009 बैच के पुलिस अवर निरीक्षक माधव ठाकुर के पटना स्थित कार्यालय और बेगूसराय स्थित आवास में छापेमारी की। इस दौरान 25 लाख से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ, जो उनकी ज्ञात आय से करीब 47 प्रतिशत अधिक है। निगरानी की टीम ने 12 बैंक खाता, जमीन का 6 डीड, विभिन्न इंश्योरेंस कम्पनी में निवेश के कागजात बरामद किया है, जिसकी जांच की जा रही है। विजिलेंस की छापेमारी और अनुसंधान अभी भी जारी है। निगरानी थाना काण्ड सं0-100/25, दिनांक 26.11.2025 धारा-13 (2) सह पठित धारा 13 (1) (बी) भ्र०नि०अधि० 1988 (संशोधित 2018) के प्राथमिकी अभियुक्त-श्री माधव ठाकुर, पिता-स्व० देवनन्दन ठाकुर, सा०-रघुनाथपुर, थाना- साहेबपुर कमाल, जिला- बेगूसराय, 2009 सत्र के पुलिस अवर निरीक्षक, सम्प्रति पुलिस निरीक्षक, अपराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग), बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना के विरूद्ध लगभग 25,22,145/- (पचीस लाख बाईस हजार एक सौ पैतालिस) रूपया का प्रत्यानुपातिक धनार्जन का कांड पुरानी जॉच के आधार पर दर्ज किया गया है, जो उनकी कुल ज्ञात आय से करीब 47% अधिक है। अनुसंधान के क्रम में माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी, पटना से प्राप्त सर्च वारंट के आलोक में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के दो तलाशी दल द्वारा आज दिनांक-28.11.2025 को कांड के प्राथमिकी अभियुक्त श्री माधव ठाकुर के रघुनाथपुर, थाना-साहेबपुर, कमाल, जिला- बेगूसराय स्थित आवास एवं इनके पटना स्थित कार्यालय / आवास की तलाशी की जा रही है। तलाशी के क्रम में अभियुक्त श्री माधव ठाकुर के ठिकानों से कोई उल्लेखनीय सम्पति प्राप्त नहीं हुआ है। 12 बैंक खाता, जमीन का 06 डीड और विभिन्न इंश्योरेंस कम्पनी में निवेश के कागजात मिले हैं। प्राप्त कागजातों का विश्लेषण किया जा रहा है। तलाशी एवं अनुसंधान कार्य जारी है।

सिपाही पर सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अनुशासनहीनता व आपराधिक मामले में सेवा से किया बर्खास्त

एजेंसी। सारण

सारण पुलिस ने विभागीय अनुशासनहीनता और आपराधिक प्रकरण में संलिप्तता के आरोप में अपने ही सिपाही के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि सिपाही ऐनूल अंसारी (सिपाही संख्या, 978) पर 2020 में पटना के सुल्तानगंज थाने में धोखाधड़ी एवं अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज किया गया था। अनुसंधान और पर्यवेक्षण रिपोर्ट में आरोप सही पाए गए तथा उनकी गिरफ्तारी एवं कुर्की-जब्ती का आदेश भी जारी है। इसके बावजूद सिपाही अपने कर्तव्य से फरार रहे।नगर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज

एसएसपी के अनुसार, जांच प्राधिकार की टिप्पणी से सहमत होते हुए सिपाही ऐनूल अंसारी को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इसी दौरान, सारण में एक विधायक के अंगरक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त रहते हुए भी वे बिना अनुमति अनुपस्थित रहे और अपने नाम से निर्गत सरकारी पिस्टल व कारतूस जमा नहीं किए। इस कारण उन्हें निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी। विभागीय जांच में वे दोषी पाए गए जिसके बाद स्थानीय नगर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई। विभागीय कार्यवाही के दौरान बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद सिपाही अंसारी कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच प्रतिवेदन और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि उनका आचरण पुलिस सेवा के अनुरूप नहीं है और उनकी सेवा जारी रखना विभागीय हित में नहीं है। इसी आधार पर उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था।बर्खास्तगी के बाद दायर किए गए मेमोरियल अभ्यावेदन पर डीजीपी, बिहार ने प्रक्रियात्मक त्रुटि दूर करने के निर्देश देते हुए उन्हें निलंबित अवस्था में सेवा में बहाल कर विभागीय कार्रवाई को आरोप-गठन से पुनः शुरू करने का आदेश दिया। आदेश के अनुरूप पुनः स्पष्टीकरण मांगा गया, जिसे असंतोषजनक पाया गया। बाद में 23 अगस्त 2025 को अंतिम बचाव स्पष्टीकरण भी मांगा गया, परंतु वह भी संतोषजनक नहीं रहा।

बिहार में ठंड और कोहरे का प्रकोप जारी, दुगनी होगी प्रदेश के लोगों की समस्या

एजेंसी। पटना

बिहार में सर्दी का प्रभाव अब तेज होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे रात्रिकालीन ठंडक बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 29 नवंबर को राज्य में पूर्णतः शुष्क मौसम रहेगा। अधिकतम तापमान 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 8-9 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाएगा। पिछले 24 घंटों में राज्य के विभिन्न जिलों में ठंड का असर स्पष्ट दिखा। 28 नवंबर को फारबिसगंज (अररिया) में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, औरंगाबाद में न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा। सीतामढ़ी, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीवान, मुजफ्फरपुर तथा भागलपुर सहित कई जिलों में तेज हवाओं के कारण ठंड बढ़ी, हालांकि कहीं भी वर्षा नहीं हुई। अगले 2-3 दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग ने सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की चेतावनी जारी की है, यह पटना सहित अन्य जिलों में दृश्यता को 50-200 मीटर तक सीमित कर सकता है। घना कोहरा यातायात को प्रभावित कर सकता है, इसलिए वाहन चालकों को सावधानी बरतने तथा कोहरे की रोशनी का उपयोग करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों को गर्म वस्त्र धारण करने तथा कोहरे से बचाव के उपाय का परामर्श दिया है। पशुपालकों तथा किसानों को फसल संरक्षण हेतु सतर्क रहने को कहा गया है। राज्य के उत्तरी तथा मध्य भागों में कोहरे का प्रभाव अधिक रहेगा, जबकि दक्षिणी जिलों में तापमान अपेक्षाकृत स्थिर रहेगा।

सहकारिता विभाग में 1089 पदों पर जल्द बहाली, मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने रिक्तियों को भरने का दिया आदेश

एजेंसी। पटना

बिहार में एनडीए की नई सरकार अब नौकरी पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी विभागों से रिक्तियां मांगी है। सहकारिता विभाग में 1089 पदों पर बहाली होगी। इसकी सूचना आयोग को भेज दी गयी है। बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने आज अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान विभाग में खाली पड़े पदों को जल्द से जल्द भरने का निर्देश दिया। बिहार में विभिन्न विभागों से पदों की रिक्तियां मांगी गयी है। सहकारिता विभाग में कुल 1089 पद खाली है जिस पर बहाली होगी। इन पदों की अधियाचना संबंधित सूचना आयोग को भेज दी गई है। 31 सहायक निबंधक, 4 जिला अंकेक्षण पदाधिकारी और सहकारिता प्रसार पदाधिकारी के 502 पदों की अधियाचना बिहार लोक सेवा आयोग को भेजी गयी है। इसके अलावे अंकेक्षक के 198 पदों, आशुलिपिक के 7 पदों, निम्नवर्गीय लिपिक के 257 पदों एवं कार्यालय परिचारी के 90 पदों की अधियाचना बिहार कर्मचारी चयन आयोग को भेजी गई है।

सुभाषितम्

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।

- कहावत

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आईएफएम की कड़ी चेतावनी

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में दुनिया की तेजी से उभरती हुई शक्तियों में शामिल रही है। हाल ही में जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (आईएफएम) ने भारत की मुद्रा स्थिति को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है, वह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक चिंताजनक संकेत हैं। आईएफएम ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है, भारतीय रुपया जल्द ही अस्थिर मुद्राओं की सूची में शामिल किया जा सकता है। यह स्थिति भारत की अर्थव्यवस्था और अर्थ प्रबंधन पर घंभीर सवाल उठाता है। भारत सरकार के आर्थिक नीति-निर्माताओं के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। रुपये की कमजोरी कोई नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में इसकी गिरावट लगातार तेज हो रही है। वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेश का भारत से पलायन यह तीनों ऐसे कारण हैं जो रुपये पर भारी दबाव डाल रहे हैं। बाहरी कारणों के साथ-साथ घरेलू बाजारों में भी चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं। बढ़ती महंगाई, नौकरी में छटनी और नई नौकरी नहीं मिलना, रोजगार के अवसरों में ठहराव, औद्योगिक उत्पादन में कमी से आर्थिक असंतुलन बुरी तरह से गड़बड़ाता जा रहा है। आईएफएम की चेतावनी का सबसे अहम कारण जिस तरह से डॉलर की खरीद और बिक्री करके रिजर्व बैंक और अन्य कारोबारी, रुपए की स्थिति को संभालने का प्रयास कर रहे हैं, आईएफएम ने इसको सबसे ज्यादा चिंताजनक माना है। यदि आईएफएम ने रुपया को अस्थिर मुद्रा की श्रेणी में डाल दिया, तो इसका सीधा असर आम भारतीय और भारतीय अर्थ व्यवस्था पर बड़ा गहरा असर पड़ेगा। आयात महंगा होगा, पेट्रोल-डीजल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक की कीमतें उसी हिसाब से बढ़ेंगी। महंगाई तेजी के साथ बढ़ेगी। सरकार, कारोबारी और आम जनता के सामने आर्थिक मुश्किलें और भी बढ़ेंगी। यह स्थिति निवेशकों के विश्वास को शेयर बाजार से हटा सकती है, जिससे शेयर बाजार और विदेशी निवेश पर बड़ा नकारात्मक असर पड़ना तय है। अभी भी विदेशी निवेशक शेयर बाजार से अपना निवेश निकालकर भाग रहे हैं। सोमवार से गुरुवार तक सरकार और भारत की वित्तीय संस्थाएं शेयर बाजार को संभालने की कोशिश करती हैं। शुक्रवार आते-आते मार्केट टूट कर मुनाफा वसूली करने लगता है। इसमें भारत की वित्तीय संस्थाएं लगातार खोखली होती चली जा रही हैं। इस स्थिति के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की बनती है। रिजर्व बैंक और आर्थिक नीतियों पर सरकार की दखलंदाजी 2019 के बाद से लगातार बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक में अब अर्थशास्त्रियों का स्थान प्रशासनिक अधिकारियों और सरकार के उन लोगों ने ले लिया है जो अर्थ का अ, ब, स, द भी नहीं जानते हैं। वर्तमान स्थिति में केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक को तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना होगा, सरकार को वित्तीय घाटे को नियंत्रित करना होगा। उद्योग एवं निर्यात से जुड़े क्षेत्रों को राहत पैकेज देना होगा। गैर जरूरी आयात और भारत से विदेशी मुद्रा को विदेश जाने से रोकने के लिए पर्यटन और घूमने-फिरने जैसे उपायों पर रोक लगानी होगी। ऐसे उपाय करने होंगे, जो रुपये को स्थिर करने में मदद कर सकते हों। सरकार और रिजर्व बैंक को महंगाई पर नियंत्रण रखने की नीतियां बनानी होंगी। नीति-निर्माण में पारदर्शिता के साथ काम करना होगा। भारत के पास संभावनाएं बहुत हैं। इसके लिए, सरकार को स्वयं अर्थव्यवस्था के सत्य को समझने की जरूरत है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अर्थव्यवस्था को लेकर आम आदमी को भी सही स्थितियां बताए। आर्थिक प्रबंधन के मोर्चे पर जो स्थिति देखने को मिल रही है, यदि इसे समय रहते संभाला नहीं गया, तो यह चूक देश को भारी महँगी पड़ सकती है। आईएफएम की चेतावनी को एक तकनीकी रिपोर्ट मानकर अनदेखा करना इस समय की सबसे बड़ी भूल होगी। अर्थव्यवस्था के बारे में भारत के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है। भारतीय अर्थव्यवस्था को त्वरित और निर्णायक सुधारों की जरूरत है।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं। चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया। उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा केरल सरकार को स्कूल खोलने के निर्देश देकर कोर्ट ने शिक्षा के अधिकार की पुनर्स्थापना की

- कांतिलाल मांडोत

भारत में शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता मिलने के बाद भी कई राज्यों में आधारभूत ढाँचे, जनसंख्या वृद्धि, वित्तीय बाधाओं और प्रशासनिक लापरवाही के कारण प्राथमिक शिक्षा की पहुँच प्रभावित होती रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केरल सरकार को प्राथमिक और लोअर प्राइमरी स्कूल खोलने के स्पष्ट निर्देश देना इसी संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने राज्य की स्थिति पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जो राज्य खुद को शिक्षाक्षेत्र में शत प्रतिशत साक्षर होने का दावा करता है, वहाँ स्कूली ढाँचे की ऐसी स्थिति बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया कि शिक्षा में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और तीन महीने के भीतर नई नीति बनाना अनिवार्य है।यह निर्णय न केवल केरल के लिए बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक दिशा-सूचक संदेश है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि शिक्षा के अधिकार को केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर लागू करने की आवश्यकता है। शिक्षा का

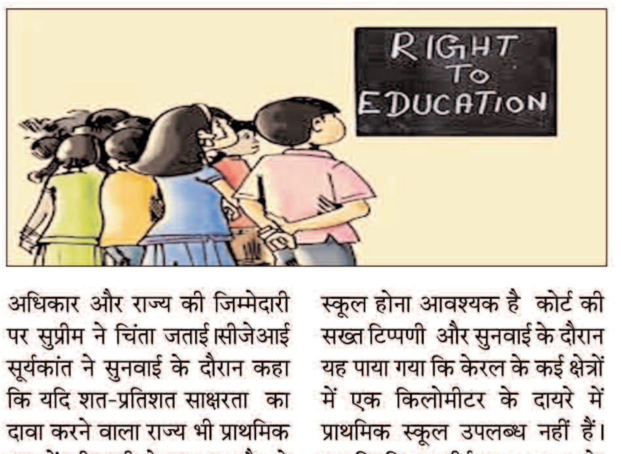

अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी पर सुप्रीम ने चिंता जताई सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि शत-प्रतिशत साक्षरता का दावा करने वाला राज्य भी प्राथमिक स्कूलों की कमी से जूझ रहा है, तो यह बेहद गंभीर स्थिति है। कोर्ट ने शिक्षा को प्रत्येक बच्चे का मूलभूत अधिकार बताते हुए कहा कि शिक्षा में कोई कमी स्वीकार नहीं की जाएगी।सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी दो बड़े मुद्दों पर रोशनी डालती है।राज्य की प्राथमिक शिक्षा के प्रति ढिलाई, और स्कूलों की पहुँच का अभाव, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। आरटीई स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा दी जानी चाहिए, और इसके लिए पर्याप्त संख्या में स्कूल उपलब्ध होना अनिवार्य है।हर एक किलोमीटर के दायरे में प्राथमिक स्कूल होना आवश्यक है कोर्ट की सख्त टिप्पणी और सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि केरल के कई क्षेत्रों में एक किलोमीटर के दायरे में प्राथमिक स्कूल उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति आरटीई एक्ट 2009 के निर्देशों के सीधे उल्लंघन में आती है।आरटीई के नियम के अनुसार लोअर प्राइमरी स्कूल अधिकतम 1 किमी दूरी पर होना चाहिए।अपर प्राइमरी स्कूल अधिकतम 3 किमी के दायरे में होना चाहिए। कोर्ट ने इस अभाव को बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए कहा कि जब तक स्थायी स्कूल भवन उपलब्ध न हो, तब तक प्राइवेट बिल्डिंग का उपयोग कर अस्थायी रूप से स्कूल चलाए जा सकते हैं।इस तरह कोर्ट ने शिक्षा के बुनियादी अधिकार की रक्षा करते हुए व्यावहारिक समाधान भी सुझाए।बजट व्यवस्था और संसाधनों की कमी पर कोर्ट का स्पष्ट रुख है। राज्य सरकारें अक्सर शिक्षा पर बजट की कमी का हवाला देती हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि बजट का इंतजाम सरकार की जिम्मेदारी है, बच्चों की शिक्षा किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए।यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकिकई राज्यों में शिक्षा को लेकर बजट प्राथमिकता में नहीं होता। सरकारी योजनाएं कागजों पर रह जाती हैं।वित्तीय बाधाओं के कारण स्कूलों का निर्माण और संचालन प्रभावित होता है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश राज्य सरकारों को शिक्षा बजट में पारदर्शिता और प्राथमिकता देने का मार्ग दिखाता है।शिक्षक की कमी के मद्देनजर रिटायर्ड शिक्षकों की अस्थायी नियुक्ति का सुझाव भी दिया गया।कोर्ट को जानकारी दी गई कि स्कूलों में शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया धीमी है और कई पद खाली पड़े हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया किरिटायर्ड शिक्षकों को अस्थायी रूप से नियुक्त किया जा सकता है,ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। यह समाधान बेहद व्यावहारिक है क्योंकि रिटायर्ड शिक्षक अनुभवी होते हैं और प्रशासनिक देरी के बीच शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

केरल का शिक्षा मॉडल और मौजूदा चुनौतियाँभी मुहफाडे खड़ी है किरल का शिक्षा मॉडल विश्व स्तर पर सराहा जाता रहा है।वहाँ की साक्षरता दर 95% से अधिक है। सार्वजनिक स्कूलों की गुणवत्ता देश में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। सरकारी स्कूलों में एडमिशन बढ़ रहा है।इसके बावजूद कुछ क्षेत्रों में स्कूलों की कमी चौंकाती है। क्योकि नई बस्तियों में स्कूलों का अभावदिखाई दे रहा हैजनसंख्या का असमान वितरण भी बड़ा कारण है।पुराने स्कूलों का विलय या बंद होना भी दूसरा बड़ा कारण है। नई स्कूल नीति का अभाव भी शिक्षा स्तर को प्रभावित करता है।सुप्रीम कोर्ट ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तीन महीने में व्यापक नीति बनाने का निर्देश दिया है। शिक्षा की कमी का व्यापक असर बच्चो के भविष्य पर पड़ता है।जब प्राथमिक स्तर पर स्कूल उपलब्ध नहीं होते, तो इसका असर केवल पढ़ाई पर नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक विकास पर भी पड़ता है।इससे प्रभावित होने वाले मुद्दे पर ध्यान देना जरूरी है। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती है। लड़कियों की शिक्षा पर इससे गंभीर प्रभाव पड़ता है। क्योंकि बाल श्रम की आशंका बढ़ती है। और इतना ही नही ,समाज में असमानता गहरी होती है। ग्रामीण और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इसलिए कोर्ट का यह निर्देश बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने वाले दूरगामी परिणाम रखता है। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में मामला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा की पहुँच, गुणवत्ता और समान अवसरों पर जोर है।लेकिन यदि किसी राज्य में आधारभूत ढांचा ही उपलब्ध न हो तो नीति बेअसर हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप रास्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को मजबूती देगा,सभी राज्यों के लिए मिसाल बनेगा, प्राथमिक शिक्षा को नीति-निर्माण का मुख्य केंद्र बनाएगा। न्यायपालिका की सक्रियता शिक्षा सुधार में अहम भूमिका निभाएगी। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं।यह मामला भी उसी परंपरा का विस्तार है जहाँ अदालत बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सामने आई है। न्यायपालिका का यह सख्त रुख महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों की शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, सरकारें किसी बहाने से पीछे नहीं हट सकतीं, शिक्षा का अधिकार केवल किताबों का विषय नहीं बल्कि व्यावहारिक सच्चाई है।

फिलीस्तीन की धुंध में उगती आशा की किरण

- दिलीप कुमार पाठक

फिलिस्तीनी लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फि लिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाजा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फि लिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आह्वान करता है। गाजा में पिछले वर्षों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाका अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है, और नाजुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का हृदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है ' गाजा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं, 10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, क्ठफ्ठ ने 20 बंधकों को इजराइली अधिकारियों और 1,808 फि लिस्तीनी बंदियों को गाजा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1,718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और क्ठफ्ठ ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फि लिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फि लिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फि लिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फि लिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फि लिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सजा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की माँग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है। फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाजा में 52,000 से ज्यादा फि लिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फि लिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे। पूर्व में फि लिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी और पश्चिमी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फि लिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती है। वठफ्हअ 663 से ज्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमजोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है। यह अपने द्वारा संचालित 58 मान्यता प्राप्त शरणार्थी शिविरों में अपने बुनियादी ढाँचे में निरंतर सुधार कर रही है। लगभग 30,000 कर्मचारियों, जिनमें से स्वयं फि लिस्तीनी शरणार्थी हैं, के साथ यह अल्पकालिक मानवीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों, जैसे कि लाखों फि लिस्तीनियों को चल रहे संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने, दोनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बेहद जरूरी है कि इस युद्धविराम समझौते का पालन किया जाए। हमें स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता देखने की जरूरत है, जिसमें सभी पक्ष गाजा में नागरिकों, सहायताकर्मियों और चिकित्सा सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें, जिससे फिलिस्तीन में भी खुशियों की सुबह हो।

मॉडल टेनेंसी एक्ट के संशोधन मकान मालिकों और किरायेदारों दोनों के हित संतुलित रूप से सुरक्षित होंगे

- किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत में आवास-किराये का बाजार पिछले दो दशकों में तीव्र रूप से बदल चुका हैअधिक जनसंख्या-शिफ्ट,अस्थायी रोजगार, शहरों में युवा-प्रवासन औररेंटल एन्टरप्रेन्योरशिप के कारण पारंपरिक अनौपचारिक समझौतों (11-महीने के लिखित /अनलिखित समझौते आदि) की सीमाएँ उजागर हुईं। इन चुनौतियों अनियमित रजिस्ट्रेशन सुरक्षा-जमानत पर अनिर्धारित बोझ,अचानक निष्कासन, और डिस्प्यूट्स को रोके रखने की धीमी न्यायिक प्रक्रियाओं, को हल करने के लिए 2025 में केंद्र/नीतिगत निकायों ने एक नया समेकित रेंट-रूल/रजिस्ट्रेशन ढाँचा प्रस्तावित/प्रचारित किया जिसे सामान्यत, न्यू रेंट एग्रीमेंट रूल्स 2025 के रूप में जाना जा रहा है। यह नया फ्रेमवर्क मूल रूप से 2021 के मॉडल टेनेंसी एक्ट के सिद्धांतों पर आधारित है,जिसका उद्देश्य किरायेदार और मकान-मालिक दोनों के हितों का संतुलन और शीघ्र विवाद निपटान सुनिश्चित करना था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत में न्यू रेंट एग्रीमेंट 2025 का परिचय उसी समय परिपक्वता की दिशा में एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि देश में किराए पर रहने वालों (टेनेंट्स) और किराया- देनदार मकान मालिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे संपत्ति-बाजार में पारदर्शिता, विवाद और कानूनी जटिलताओं की समस्या भी बढ़ती जा रही थी। इस पृष्ठभूमि में, सरकार ने इस नए ढांचे को लागू किया है, जो मुख्य रूप से मॉडल टेनेंसी एक्ट (एमटीए) और हालिया बजट प्रावधानों पर आधारित है, ताकि रेंटिंग सिस्टम को एक तय,सुरक्षित और सुव्यवस्थित प्रणाली में बदला जा सके। साथियों बात अगर हम नए रेंट एग्रीमेंट रूल्स 2025 के कानूनी उद्गम और आधार (मॉडल टेनैंसी एक्ट का स्थान और महत्ता) इसको समझने की करें तो,मॉडल टेनैंसी एक्ट 2021 को केंद्र- सरकार की ओर से एक मॉडल अधिनियम के रूप में जारी किया गया था ताकि राज्यों को किराये संबंधी सुव्यवस्थित कानून अपनाने में मार्गदर्शन मिले। इसका उद्देश्य सुस्पष्ट रजिस्ट्रेशन, किराए की वृद्धि के नियम,सुरक्षा जमा- सीमाएँ, और रेण्ट अथॉरिटी/ट्रिब्यूनल जैसे फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म को स्थापित करना था। 2025 के नए रूल्स ने इन सिद्धांतों को डिजिटल रजिस्ट्रेशन ई-स्टैम्पिंग,और डिफाइंड पेनल्टीज /प्रोसीजर के साथ व्यावहारिक रूप दिया है यानी एमटीए पर आधारित संरचना को व्यवहारिक रूप में लागू करने का प्रयास। साथियों बात अगर हम नए रेंट एग्रीमेंट रूल्स 2025 केप्रमुख प्रावधानों को समझने की करें तो,सबसे पहला और बुनियादी परिवर्तन रेंट एग्रीमेंट का पंजीकरण है। पुराने असमर्थित या अनौपचारिक एग्रीमेंट (जैसे केवल लिखित, हस्तलिखित या मौखिक) की स्वीकार्यता को सीमित करते हुए,नए नियमों के तहत हर किराया अनुबंध को दो महीने के भीतर पंजीकृत करना अनिवार्य है। यदि यह समय सीमा पूरी न हो, तो जुमार्ना 5,000 रूपए तक लगाया जा सकता है। यह रजिस्ट्रेशन या तो राज्य की ऑनलाइन प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन वेबसाइट के माध्यम से या नजदीकी रजिस्टार कार्यालय में किया जा सकता है। इसके साथ ही,डिजिटल ई- स्टांपिंग अनिवार्य कर दी गई है,1 जुलाई 2025 से सभी नए रेंट एग्रीमेंट्स को अधिकृत डिजिटल प्लेटफार्मों पर ई-स्टाम्प करना होगा; यदि ऐसा नहीं किया गया, तो भी जुमार्ना 5,000 रूपए तक हो सकता है। इससे पहले के पारंपरिक स्टैंप पेपर पर निर्भर दस्तावेजों की असुरक्षा और जाली दस्तावेजों की समस्या को काफी कम करने की कोशिश की गई है।दूसरा, किरायेदारों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, सिक्योरिटी डिपॉज़िट (एडवांस किराया) की सीमा तय की गई है।

आज का राशिफल

मेष – मिलने के योग बन रहे हैं। जीविका के क्षेत्र में किए गए प्रयास अब धीरे-धीरे फलीभूत होंगे।

तुला – आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक प्रयास सफल होंगे।

वृषभ – जीवन सुखमय रहेगा। वृष राशि के जातकों के लिए धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं।

वृश्चिक – ऋण से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन – आज का दिन पराक्रम को बढ़ा रहा है। धन और ऐश्वर्य की वृद्धि से कुछ शत्रु ईर्ष्या करेंगे।

धनु – आज गुप्त शत्रु और ईर्ष्यालु साथियों से आज के दिन आपको सतर्क रहना होगा।

कर्क – आज आपके कोष भाव में संचार कर रहा है, जिससे कुछ अन्तर्विरोध उत्पन्न हो सकते हैं।

मकर – रोजगार में सफलता दिलाएगा। मकर राशि के लोग को इस दौरान उपहार और सम्मान प्राप्त होंगे।

सिंह – आज अभीष्ट सिद्धि का कारक बन रहा है। इस दौरान आपके गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

कुंभ – आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या – आर्थिक दिशा में किए गए आपके प्रयास सफल रहेंगे और लाभ प्राप्त होगा।

मीन – आज का दिन विजय का संकेत दे रहा है। पुराने झगड़े और समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

विशेष

संबित पात्रा के गंभीर आरोप

राजनीतिक तौर पर आरोप-प्रत्यारोप तो चलते हैं, लेकिन जब कोई सत्ता में रहते हुए कुछ कहता है तो जनता उसे गंभीरता से लेती है। यह सोचे बिना ही भारतीय जनता पार्टी के नेता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर भारत में एक नैरेटिव बनाने और लोगों को देश के खिलाफ भड़काने के लिए विदेशी लोगों का इस्तेमाल करने जैसा गंभीर आरोप लगा दिया है। उन्होंने बतौर सबूत यह तक कह दिया, कि एक्स के नए लोकेशन फीचर ने कई कांग्रेसी अकाउंट और इस तरह अन्य पार्टी समर्थित प्रभावशाली लोगों का पदार्फाश कर दिया है। पात्रा के अनुसार, कई कांग्रेसी नेता और पार्टी के राज्य स्तर के अकाउंट भारत के बाहर अपना लोकेशन बता रहे थे, हालाँकि उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद लोकेशन बदल दी गई। जानकार इसे गंभीर मानते हैं और कहते हैं कि यदि ऐसा कुछ हुआ है तो वह चिंता का विषय है, लेकिन यदि सिर्फ राजनीतिक तौर पर घेरने के लिए इस तरह के बयान दिए गए हैं तो इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाना चाहिए, क्योंकि आरोप बहुत गंभीर हैं।

सरकारी आवास बपौती नहीं

बिहार में पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आवास खाली करने के नोटिस को लेकर सियासी गलियारे में बयानबाजी तेज हो गई है। राबड़ी और लालू समर्थक इसे गलत बता रहे हैं तो वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, बिहार में कानून का राज है। कानून के तहत ही किसी को आवास मिलता है, और उसी के तहत आवास खाली कराया जाता है। नहीं खाली करने पर पुलिस उसे बलपूर्वक हटा देती है। सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1581: सर फ्रांसिस ड्रेक विश्व का चक्कर लगाकर इंग्लैंड वापस लौटे। 1881: जापान की संसद की पहली बैठक हुई। 1918: हुसैन अरबों के शाह घोषित किए गए। 1929: अमरीकी नौ सेना के लेफ्टिनेंट रिचर्ड बिर्ड ने पहली बार विमान से दक्षिणी ध्रुव पर उड़ान भरी। 1945: यूगोस्लाविया में राजशाही समाप्त कर दी गई। 1948: भारत के संविधान पर हस्ताक्षर। 1961: विश्व के प्रथम अंतरिक्षयात्री रूस के यूरी गागरिन भारत आए। 1964: कांगो में अमरीकी हस्तक्षेप के विरोध में लाखों लोगों ने पेइचिंग में प्रदर्शन में भाग लिया। 1973: जापान में कुमामोतो के एक दुकान में आग लगने से सौ से अधिक लोग मारे गए। 1986: बेंगलोर में सार्क राष्ट्रों का सम्मेलन । 1989: रोमानियाई जिमनास्ट नादिया कामनेकी भाग कर हंगरी गई। 1990 टैंकभेदी प्रक्षेपास्त्र 'नाग' का सफल प्रक्षेपण।

दैनिक पंचांग

29 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मकर	09.50 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.36 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.09 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.39 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.20 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.18 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.47 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कन्या	00.59 बजे से
		तुला	03.10 बजे से
		वृश्चिक	05.25 ब.से

शनिवार 2025 वर्ष का 333 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 23.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 09.27 बजे को समाप्त।
करण बालव 11.51 बजे तदनन्तर कौलव 23.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872543
जूलियन दिन 2461008.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 07

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास का फेसबुक अकाउंट हैक, लोगों से मांगे जा रहे पैसे

चतरा, एजेंसी। सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार उज्ज्वल दास का फेसबुक अकाउंट को हैकरों के निशाने ने हैक कर लिया है। हैकरों ने न सिर्फ उनका आधिकारिक अकाउंट हैक कर लिया, बल्कि उनके नाम से लोगों से पैसे मांगना भी शुरू कर दिया है।
इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।विधायक ने स्वयं अपने अधिकृत फेसबुक अकाउंट

और अन्य माध्यमों से इस मामले की जानकारी जनता को दी। उन्होंने बताया कि उनका फेसबुक अकाउंट ही नहीं, बल्कि उनका वाट्सएप भी हैक कर लिया गया है।
हैकर लगातार लोगों को संदेश भेजकर आर्थिक मदद की मांग कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनके नाम से किया जा रहा कोई भी मैसेज भ्रामक है और ऐसे किसी भी डिमांड को पूरा न करें। कुमार उज्ज्वल दास ने जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास उनके नाम से पैसे मांगने वाला मैसेज पहुंचे, तो तुरंत उसे अनदेखा करें और इसकी सूचना स्थानीय थाना तथा साइबर सेल को दें। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं आम लोगों को ठगी का शिकार बनाने की कोशिश होती हैं, इसलिए सतर्कता ही बचाव है। वहीं, प्रशासन ने भी लोगों को इंटरनेट मीडिया पर सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध लिंक या मैसेज पर भरोसा न करने की सलाह दी है।

देवघर में विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत, मायके वालों ने लगाया दहेज प्रताड़ना का आरोप

पिछले साल हुई थी शादी

देवघर, एजेंसी। देवघर के जसीडीह थाना क्षेत्र के जगमानिया गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान तनुजा खातून, पति शापजुल अंसारी के रूप में हुई है। परिजनों ने दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि तनुजा की शादी पिछले साल दिसंबर में हुई थी और अभी विवाह को एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। मायके पक्ष के अनुसार, शादी के बाद से ही तनुजा को लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। इस संबंध में कई बार पंचायत भी बुलाई गई, लेकिन ससुराल वालों के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया। इसी बीच अचानक तनुजा की मौत की खबर मायके वालों को मिली। सूचना मिलते ही जसीडीह थाना प्रभारी दीपक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर अपने कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मायके पक्ष ने पति शापजुल अंसारी सहित ससुराल के अन्य सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आदित्य साहू ने 6.08 करोड़ की योजनाओं की रखी नींव

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू की सांसद निधि से 6.08 करोड़ की लागत वाली दर्जनों योजनाओं का गुरुवार को सामूहिक शिलान्यास हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी के राज्यसभा सदस्यों को कहा है कि वे अपना फंड उन क्षेत्रों में दें, जहां पर भाजपा के कोई सांसद–विधायक नहीं हैं। ऐसे में उस क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होगा। वहीं, सांसद आदित्य साहू ने कहा कि सांसद निधि जनता की होती है। आज जिन योजनाओं का शिलान्यास हुआ है, उसमें सीसीएल का सीएसआर फंड भी शामिल है।

अब केंद्र के उपक्रम से सीधे नमक खरीदेगी झारखंड सरकार

योजना में हो रही देरी को देखते हुए बदलेगी नमक की खरीद प्रक्रिया, टेंडर नहीं होगा

रांची, एजेंसी। गरीबों को मुफ्त नमक देने की योजना में हो रही देरी को देखते हुए राज्य सरकार नमक की खरीद प्रक्रिया को बदलने जा रही है। मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना के तहत लाभुकों के बीच नमक वितरण के लिए अब टेंडर के बदले सरकार केंद्रीय लोक उपक्रम से सीधे नमक लेगी और लाभुकों के बीच उसका वितरण होगा।

झारखंड वित्तीय नियमावली के प्रावधान को शिथिल करते हुए मनोनयन के आधार पर केंद्रीय भंडार से नमक की आपूर्ति की जाएगी। खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने विभाग के प्रस्ताव पर अपनी मंजूरी दे दी है। विभाग ने प्रशासनिक स्वीकृति के लिए राज्य योजना प्राधिकृत समिति को फाइल भेज दी है। बता दें कि झारखंड में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 61,06,938 परिवार और ग्रीन कार्ड के 6,34,677 परिवार सरकारी दर पर राशन का लाभ उठाते हैं।

67.84 लाख परिवारों को मुफ्त में एक किलो नमक देती है सरकार– राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित करीब 67 लाख 84 हजार (परिर्वतनशील) परिवार हैं। ऐसे प्रत्येक परिवार को एक किलो फ्री फ्लो रिफाइंड

आयोडीन युक्त नमक प्रतिमाह मुफ्त में दिया जाता है। इसके लिए जीएम पोर्टल पर हर तीन माह में टेंडर कर नमक की खरीद की जाती है। हर तीन माह के लिए अलग-अलग टेंडर प्रकाशित कर टेंडर प्रक्रिया को पूर्ण करने में काफी समय लगता है। इससे समय से नमक की आपूर्ति नहीं हो पा रही थी।

केंद्रीय भंडार ने 10.72 रुपए प्रति किलो का दिया है नमक का रेट– केंद्रीय भंडार ने 10.72 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से दो वर्षों के लिए नमक का रेट दिया है, जो अंतिम केंद्रीय कंपनियों से कम है। अब मनोनयन के आधार पर केंद्रीय भंडार से नमक खरीदने पर कैबिनेट से सहमति मिलने पर उसके साथ एक इकरारनामा होगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय भंडार (नई दिल्ली) के माध्यम से नमक वितरण योजना के पर मासिक 7 करोड़ रुपए व्यय होने की संभावना है। यह राशि सालाना 87 करोड़ 26 लाख रुपए तक हो सकता है।

वर्ष 2024-25 में नमक आपूर्ति में हुआ था काफी विलंब

वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतिम तिमाही एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के दूसरे तिमाही में नमक आपूर्ति के लिए टेंडर नहीं हो सका था। लोकसभा चुनाव में विधानसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के कारण भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में नमक आपूर्ति में काफी विलंब हुआ था।

इससे भी लाभुकों को समय पर नमक नहीं मिल सका। इस स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने केंद्र की चार सहकारी संस्थाओं से नमक आपूर्ति दर के प्रस्ताव मांगा था। जिसमें केंद्रीय भंडार नई दिल्ली के रेट को एल वन माना गया।

झारखंड की सामाजिक बदलाव पर बनी पहली सीरीज होगी रिलीज

डायन प्रथा के खिलाफ देगी सशक्त संदेश।

रांची, एजेंसी। गांव की मिट्टी से निकली अनोखी हारर (डरावनी) सीरीज साया नागपुरी में बनेगी सामाजिक बदलाव की आवाज झारखंड की धरती से एक नई और अनोखी पहल सामने आई है।

नागपुरी भाषा में बनी पांच मिनट की मिनी हारर सीरीज साया का पहला एपिसोड 27 को यूट्यूब पर रिलीज होने जा रहा है। यह सीरीज सिर्फ डर नहीं दिखाएगी, बल्कि समाज में आज भी मौजूद टोनही, डायन प्रथा और उससे जुड़ी हिंसा के खिलाफ एक सशक्त संदेश भी देगी।

साया को खास बनाता है इसका निर्माण यह पूरी तरह एक गांव की साझा मेहनत का परिणाम है। किसी बड़े स्टूडियो या फिल्म कंपनी के बजाय सुराकोचा और कोटा गांव के करीब 100 ग्रामीणों ने मिलकर इस सीरीज़ को तैयार किया है।

किसी ने अभिनय किया, किसी ने सेट सजाया, किसी ने कपड़े जुटाए तो किसी ने कैमरा थामा। हर छोटे-बड़े काम में ग्रामीणों की भागीदारी रही।साधनों की कमी के बावजूद उनका जुनून अडिग था।

महंगे कैमरे या उपकरण नहीं थे, लेकिन कलाकारों की लगन ने उनकी मोबाइल कैमरे से शूट की गई कहानी को भी जीवंत बना दिया। यह सचमुच गांव द्वारा बनाई गई फिल्म का बेमिसाल उदाहरण है।

इस सीरीज़ के पहले एपिसोड को साकार करने में सबसे बड़ी भूमिका रही टोप्पो लैब्स की। यह एक ट्राइबल ब्रांड है जो फूड, इंजीनियरिंग और आर्ट के क्षेत्र में काम करता है। उनके आर्थिक और तकनीकी सहयोग से यह सपना सच हो सका।

गांव के कलाकारों और निर्माताओं को उम्मीद है कि साया की रिलीज़ के बाद और भी संवेदनशील प्रोड्यूसर आगे आएंगे, जो कला को समाज से जोड़ने वाले ऐसे प्रयासों को सहयोग दें।

रामगढ़ में स्व. सोबरन सोरेन का 68वां शहादत दिवस मना

मगनपुरा, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने दादा स्व. सोबरन सोरेन के 68वें शहादत दिवस पर गुरुवार को लुकैयाटांड पहुंचे। वहां प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शुक्रवार को अबुआ सरकार के एक साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर हम 10 हजार युवाओं को नौकरी देने जा रहे हैं। नौकरी भी मिलेगी और स्वरोजगार भी होगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि हम 2050 तक राज्य को खुशहाल झारखंड बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार रांची से नहीं, बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है। अभी 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम चल रहा है। इसमें अधिकारियों को सीमित समय में आम जनता को हक-अधिकार दिलाना होगा। योजनाओं से जोड़ना होगा। इसलिए इस बार 'सेवा का अधिकार सप्ताह' नाम से कार्यक्रम का आयोजन किया है।

सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं को मजबूत करना होगा– सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड खून से सींचा हुआ राज्य है। हमारे मार्गदर्शक दिशोम गुरु शिबू सोरेन नहीं रहे। इसलिए हमलोगों को एकजुट होकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के 25 साल हो गए।

राज्य के नौजवानों को कंधे इतने मजबूत करने होंगे कि हम नेतृत्वकर्ता के सपनों को पूरा कर सकें। राज्य के ज्यादातर लोगों का जीवन-यापन खेती-बाड़ी से होता हे। हमें इस विषय पर भी बात करनी होगी कि गांव के किसान कैसे खुशहाल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सवा तीन करोड़ जनता में से करीब आधी आबादी को कई योजनाओं से जोड़ रखा है। युवाओं के लिए भी कई योजनाएं बन रही हैं।

हाइवा ने कार में मारी टक्कर, एक की मौतः रिसेप्शन में चतरा जा रहा था परिवार

हादसे में दुल्हन की बहन की गई जान; 5 जख्मी

चतरा, एजेंसी। चतरा में गुरुवार की रात सड़क दुर्घटना में कार सवार एक युवती की मौत हो गई। जबकि पांच लोग जख्मी हो गए। सभी एक ही परिवार से हैं और इटखोरी में रिसेप्शन में जा रहे थे। हादसा चतरा सिमरिया मार्ग पर हफुवा गांव के पास हाइवा की टक्कर से हुआ। मृतका की पहचान रामगढ़ जिले के सयाल निवासी मुकेश राम की 18 वर्षीय पुत्री रीया कुमारी के रूप में हुई है। रीया दुल्हन की मौसेरी बहन थी। जबकि घायलों में हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव निवासी सुजीत राम, इनकी पत्नी गेंदरी देवी, बेटी अराध्या कुमारी, बेटा महाबीर दास व एक रिश्तेदार पिंकी कुमारी का नाम शामिल है।

हाइवा ने सामने से मारी टक्कर– मृतक व घायल सभी कार से रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने के लिए इटखोरी जा रहे थे। इसी दौरान हफुवा गांव के पास विपरीत दिशा से जा रही एक कोल वाहन हाइवा ने सामने से कार को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें सवार रीया कुमारी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज हजारीबाग रेफर किया गया है।

अस्पताल में अफरातफरी, 3 रेफर– घटना की सूचना मिलते

ही मौके पर पहुंची चतरा पुलिस ने तत्काल लोगों को एंबुलेंस में भर्ती कराया और सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल के चिकित्सक दयानंद सरस्वती ने बताया कि पांच लोग घायल हुए हैं, जबकि एक की मौत हो गई है। उन्होंने घायलों की चोटों की गंभीरता बताते हुए कहा, 'कई घायलों की हड्डियां टूट गई हैं, कितने का सिर फूटा है और कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनकी बेहतर इलाज की आवश्यकता है।' गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को तत्काल हजारीबाग रेफर कर दिया गया है।

25 नवंबर को हुई थी शादी– बताया जाता है कि गत 25 नवंबर को सुजीत राम की पुत्री काजल कुमारी की शादी चतरा के इटखोरी निवासी राजेश कुमार राम के साथ हुई थी।

बोकारो की उपलब्धि, झारखंड के पहले तंबाकू मुक्त गांव बने पिछरी और बिरनी

बोकारो, एजेंसी। बोकारो जिले के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक रहा। जिले के पेटरवार प्रखंड के पिछरी और नावाडीह प्रखंड के बिरनी गांव को औपचारिक रूप से तंबाकू मुक्त ग्राम घोषित किया गया। इसके साथ ही बोकारो झारखंड का पहला ऐसा जिला बन गया, जिसके दो गांवों को तंबाकू

मुक्त घोषित किया गया है। यह कार्यक्रम बोकारो के डीसी और सिविल सर्जन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें पेटरवार के बीडीओ संतोष महतो, नावाडीह के बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम, पेटरवार के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुंदन राज एवं नावाडीह के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश भारती की अहम भूमिका रही। पिछरी पंचायत की मुखिया कल्पना देवी और बिरनी पंचायत के मुखिया देवेंद्र महतो के संयुक्त प्रयास से दोनों गांवों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया। इस अवसर पर दोनों पंचायतों के मुखिया को बीडीओ द्वारा तंबाकू मुक्त गांव का प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एमएस धोनी के घर पहुंचे विराट कोहली और ऋषभ पंत

माही और उनके परिवार के साथ डिनर किया, धोनी ने खुद ड्राइव कर विराट को घुमाया

रांची, एजेंसी। रांची स्थित ध्रुवा के जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को होने वाले वनडे मुकाबले के लिए भारत–दक्षिण अफ्रीका टीम के सभी खिलाड़ी रांची पहुंच गए है। देश शाम करीब 8 :45 बजे विराट कोहली और ऋषभ पंत दलादली स्थित पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के घर पहुंचे। दोनों खिलाड़ी अलग–अलग कार में थे। जैसे ही दोनों खिलाड़ियों की गाड़ियां धोनी के घर के बाहर पहुंची, वहां मौजूद प्रशंसक एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े। विराट और पंत करीब 2 घंटे धोनी के घर पर रहे। धोनी और उनके परिवार के साथ डिनर किया।

क्रिकेट प्रेमियों ने प्रैक्टिस सेशन का भी भरपूर आनंद लिया

प्रैक्टिस के दौरान विराट कोहली ने बैक–फुट पंच, शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर पुल शॉट और स्पिन के खिलाफ कवर्ड ड्राइव पर विशेष रूप से काम किया। रोहित शर्मा ने स्विंग गेंद पर फ्रंट फुट डिफेंस, पिकअप पुल और स्लॉग स्वीप की कई रिपीटेशन की। क्रिकेट प्रेमियों ने खिलाड़ियों के प्रैक्टिस सेशन का भी भरपूर आनंद लिया।

प्रदेश में पहली बार 3,451 विशेष शिक्षा सहायक आचार्य की नियुक्ति, 14 दिसंबर से कर सकेंगे आवेदन

रांची, एजेंसी। राज्य में पहली बार सरकारी स्कूलों में विशेष शिक्षा सहायक आचार्य की नियुक्ति होगी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अधियाचना पर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने 3,451 पदों के विरुद्ध नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करते हुए सूचना प्रकाशित कर दी है।

झारखंड विशेष शिक्षा सहायक आचार्य नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए 14 दिसंबर 2025 से 13 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन भरे जाएंगे। जिन पदों के विरुद्ध नियुक्ति होगी, उनमें 2,399 पद इंटरमीडिएट प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य के हैं, जबकि शेष 1,052 पद स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य के हैं।

नियुक्ति के लिए एक ही मुख्य परीक्षा

नियुक्ति के लिए एक ही मुख्य परीक्षा

आयोजित होगी जो कंप्यूटर आधारित ओएमआर शीट पर होगी। इसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी। इंटरमीडिएट प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य नियुक्ति के लिए परीक्षा तीन पत्रों की होगी जो तीन पालियों में आयोजित की जाएगी, जबकि स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य नियुक्ति के लिए परीक्षा चार पत्रों की होगी, जो इतनी ही पाली में आयोजित की जाएगी।

आयोग ने झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अधियाचना पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर को पारित अपने आदेश में विशेष शिक्षा सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया में रोक नहीं होने की बात कही थी।

रिसोर्स पर्सन को मिलेगी आयु सीमा में छूट

इस नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा में समग्र शिक्षा अभियान के समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के तहत नियुक्त रिसोर्स पर्सन को आयु सीमा में छूट दी जाएगी, बशर्ते उन्होंने न्यूनतम दो वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो।

उन्होंने जितनी सेवा अवधि पूरी की हो, उतने वर्ष की छूट मिलेगी। हालांकि रिसोर्स पर्सन की आयु 58 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। जिन रिसोर्स पर्सन की संविदा खत्म कर दी गई है, उन्हें इसका छूट नहीं मिलेगा।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 29 नवंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

भूल से भी इस विशेष दिन न करें ये गलतियां, मां अन्नपूर्णा हो सकती हैं नाराज़

हिन्दू धर्म में अन्नपूर्णा जयंती का अत्यंत महत्व है। मां अन्नपूर्णा को अन्न और धन-धान्य की देवी माना जाता है। मां अन्नपूर्णा माता पार्वती का ही एक स्वरूप हैं। इस साल मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन यानी कि 4 दिसंबर को अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाएगी। ज्योतिष द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर आज हम आपको अन्नपूर्णा जयंती के दिन किन कामों को करना चाहिए और किन कामों को करने से बचना चाहिए।

अन्नपूर्णा जयंती क्या करें

- अन्नपूर्णा जयंती के दिन प्रातः उठकर रसोई की साफ-सफाई करें और रसोई में गंगाजल छिड़कें।
- चूल्हे या गैस स्टोव की विधि पूर्वक पूजा करें और मां अन्नपूर्णा का ध्यान करें।
- अन्नपूर्णा जयंती के दिन सर्वाधिक महत्व अन्न का ही होता है। ऐसे में जरूरतमंदों में अन्न बाटें।
- मां अन्नपूर्णा को लाल, पीले और सफेद वस्त्र अत्यंत प्रिय हैं। ऐसे में आप भी इन्हीं में से किसी रंग के वस्त्र धारण करें।
- मां अन्नपूर्णा की पूजा प्रातः काल और संध्याकाल दोनों समय में करें। इससे मां की कृपा हमेशा आपके घर पर बनी रहेगी।

अन्नपूर्णा जयंती क्या न करें

- अन्नपूर्णा जयंती के दिन भूल से भी रसोई घर को गंदा न छोड़ें।
- देवी अन्नपूर्णा की पूजा में गलती से भी दूर्वा (श्री गणेश को दूर्वा चढ़ाने के नियम) न चढ़ाएं।
- अन्नपूर्णा जयंती पर नमक वाला भोजन करने से बचें।
- यूं तो हर दिन अन्न की बर्बादी करने से बचना चाहिए लेकिन इस दिन खास अन्न का अपमान करें से बचें।

अन्नपूर्णा जयंती कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, जिस दिन माता पार्वती (मां पार्वती के मंत्र) मां अन्नपूर्णा का रूप धर अवतरित हुई थी उस दिन मार्गशीर्ष पूर्णिमा थी। माना जाता है कि अन्नपूर्णा जयंती के दिन जो भी पूर्ण निष्ठा और भक्ति से माता पार्वती की पूजा-आराधना करता है उसके जीवन में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं रहती। साथ ही, उसका घर हमेशा अन्न के भंडार से भरा रहता है। उस व्यक्ति के घर में कभी कोई भूखा नहीं सोता और न ही उस व्यक्ति के घर से कभी कोई खाली हाथ लौटता है।

कब है मोक्षदा एकादशी, जानें भगवान विष्णु की पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में मोक्षदा एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन ऐसी मान्यता है कि विष्णु जी की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन विधिवत रूप से भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन व्रत रखता है और एकादशी व्रत के नियमों का पालन करता है। उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। इस दिन दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व है। मोक्षदा एकादशी के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने अपने प्रिय सखा अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। जिसके कारण मोक्षदा एकादशी के दिन गीता जयंती का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विशेष रूप से भगवान श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। अब ऐसे में इस साल मोक्षदा एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा। पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजा का महत्व क्या है।

मोक्षदा एकादशी 2025

इस वर्ष मोक्षदा एकादशी तिथि का प्रारंभ 30 नवंबर 2025 को रविवार रात 09.29 मिनट पर होगा।
तिथि का समापन 1 दिसंबर 2025 को शाम 07 बजकर 1 मिनट पर है।
उदया तिथि के मुताबिक, मोक्षदा एकादशी का व्रत 1 दिसंबर 2025 को मान्य होगा।
2 दिसंबर को सुबह 6 बजकर 57 मिनट से सुबह 9 बजकर 3 मिनट तक आप व्रत का पारण कर सकते है।

मोक्षदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति मोक्षदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है और विवाह मनोकामना के साथ-साथ संतान प्राप्ति की इच्छा भी पूरी हो सकती है। मोक्षदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु के चतुर्भुज रूप की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

मोक्षदा एकादशी का महत्व क्या है?

हिंदू पौराणिक कथाओं और शास्त्रों के मुताबिक, ऐसा माना जाता है कि जो भक्त मोक्षदा एकादशी के व्रत का पालन करते हैं वे मोक्ष प्राप्त करते हैं और पितृ दोष से मुक्त हो जाते हैं। एकादशी के दिन उपवास का पालन करना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पर्यवेक्षकों को उनके पिछले पापों से छुटकारा पाने में मदद करता है। हिंदू मान्यताओं के मुताबिक, भक्त जो मोक्षदा एकादशी का उपवास करते हैं, वे हिंदू वर्ष में होने वाले अन्य सभी एकादशी व्रतों का संयुक्त लाभ प्राप्त करते हैं।

मोक्षदा एकादशी के दिन करें इन चीजों का दान

हिंदू धर्म में मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत रखना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। पंचांग के हिसाब से मोक्षदा एकादशी मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन आता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और माना जाता है कि इसे करने से मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्षदा एकादशी के व्रत से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। यह व्रत सभी प्रकार की मनोकामनाओं को पूरा करने वाला माना जाता है। मोक्षदा एकादशी के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था, इसलिए इस दिन को गीता जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। अब ऐसे में मोक्षदा एकादशी के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

अन्न का करें दान

मोक्षदा एकादशी के दिन अन्न दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और दान देने वाले को मोक्ष प्राप्त होता है। अन्न दान करने से व्यक्ति को सुख, समृद्धि और संतुष्टि प्राप्त होती है। मोक्षदा एकादशी को बहुत ही पवित्र दिन माना जाता है और इस दिन किया गया कोई भी पुण्य कार्य कई गुना फल देता है। अन्न दान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और उसे सुख-शांति मिलती है। आप गेहूं, चावल, आटा, दाल आदि का दान कर सकते हैं।

कंबल का करें दान

मोक्षदा एकादशी तिथि पर शरद ऋतु का आरंभ हो जाता है। इसलिए इस दौरान जरूरतमंदों को कंबल का दान अवश्य करें।
ऐसा कहा जाता है कि कंबल का दान व्यक्ति को सौभाग्य की प्राप्ति होता है और दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। इसलिए इस दिन कंबल का दान विशेष रूप से करें।

किताब का करें दान

किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं। इनका दान करके हम ज्ञान का प्रसार करते हैं और दूसरों को सीखने का मौका देते हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, किताबों का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।
मोक्षदा एकादशी के दिन भगवद गीता, रामायण, महाभारत आदि धार्मिक ग्रंथों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है।

दत्तात्रेय जयंती के दिन सौभाग्य प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए?

सनातन धर्म में भगवान दत्तात्रेय को त्रिदेव यानी कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश का अंश माना जाता है। भगवान दत्तात्रेय की पूजा मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि के दिन होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी माह की पूर्णिमा के दिन दत्तात्रेय भगवान अवरित हुए थे। दत्तात्रेय भगवान गुरु का भी स्वरूप माने जाते हैं। इसलिए इन्हें श्रीगुरुदेवदत्त के नाम से भी जाना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि 4 दिसंबर को मनाई जाएगी। आपको बता दें, भगवान दत्तात्रेय का संबंध गाय और कुत्ते से बताया गया है। अब ऐसे में दत्तात्रेय जयंती के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

दत्तात्रेय जयंती के दिन क्या करना चाहिए?

- दत्तात्रेय जयंती के दिन त्रिदेव की पूजा विशेष रूप से करेंष
- इस दिन भगवान दत्तात्रेय की प्रतिमा को स्थापित करें और गंगाजल से स्नान कराएं।
- इस दिन फूल, फल और नेवैद्य आदि चढ़ाएं।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन गीता का पाठ जरूर करना चाहिए।
- इस दिन दान-पुण्य करने का विधान है। इसलिए दान जरूर करें।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन भगवान दत्तात्रेय को लड्डू का भोग लगाएं।

दत्तात्रेय जयंती के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

- दत्तात्रेय जयंती के दिन मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- इस दिन किसी भी व्यक्ति को अपशब्द नहीं बोलना चाहिए।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए।
- इस दिन किसी को अपने घर से खाली हाथ न जाने दें।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन किसी भी व्यक्ति का अनादर नहीं करना चाहिए।

दत्तात्रेय जयंती का महत्व क्या है?

दत्तात्रेय जयंती पर भगवान दत्तात्रेय की पूजा करने से ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दत्तात्रेय जयंती पर भगवान दत्तात्रेय की पूजा करने से ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दत्तात्रेय जयंती पर गंगा स्नान करने और दान-पुण्य करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। दत्तात्रेय जयंती पर पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। भगवान दत्तात्रेय की कृपा से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।

दत्तात्रेय जयंती के दिन किन मंत्रों का जाप करें?

दत्तात्रेय जयंती के दिन त्रिदेवों की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप विशेष रूप से करना चाहिए। इससे मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।
ऊं द्रां दत्तात्रेयाय नमः
दिगंबरा-दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा-
ऊं ह्रीं विद्युत जिव्हाय माणिक्यरुपिणे स्वाहा-
ऊं दिगंबराय विद्महे योगीश्ररय् धीमही तन्नो दत- प्रचोदयात-
ऊं विध्याधिनायकाय द्रां दतरे स्वाहा-

मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर क्या उपाय करें?

मार्गशीर्ष पूर्णिमा इस साल 4 दिसंबर को पड़ रही है। मान्यता है कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी का घर में वास बना रहता है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा इस साल 4 दिसंबर को पड़ रही है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। मान्यता है कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी का घर में वास बना रहता है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी पूजन के साथ ही कुछ उपाय भी अवश्य करने चाहिए क्योंकि इस दिन किये गए उपाय फलित हो सकते हैं। ऐसे में आइये जानते हैं इस दिन किये जाने वाले उपायों के बारे में विस्तार से।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के उपाय

- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करें क्योंकि ऐसा माना जाता है कि पूर्णिमा तिथि पर पीपल के पेड़ से सारे देवी-देवता अपना स्थान छोड़ देते हैं और सिर्फ मां लक्ष्मी पूर्णिमा के दिन पीपल में निवास करती हैं। पीपल के पेड़ की पूजा के साथ ही उसमें दूध भी चढ़ाएं। इससे धन बाधित करने वाले दोष दूर होंगे।
- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को अर्घ्य देते समय जल में दूध और अक्षत भी मिलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि जल को जमीन पर न गिरने दें बल्कि निचे कोई पात्र रख कर फिर अर्घ्य दें और फिर पात्र में इकट्ठा हुए जल को बरगद के पेड़ की जड़ में डाल आएं। इससे मानसिक तानव और बीमारियों से निजात मिल सकती है।
- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन घर के मुख्य द्वार पर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं और उसके बीचों बीच लाल चंदन से टीका लगाएं। इससे घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी और सकारात्मकता का संचार बढ़ेगा। इसके अलावा, घर की पूर्व दिशा में रखे तुलसी के गमले की मिट्टी में एक रुपए का सिक्का दबा दें। इससे तंगी दूर होगी।
- अगर आप वैवाहिक जीवन के क्लेश से परेशान हैं तो मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लाल कपड़े में हल्दी की गांठ और सुपारी रखकर उसे मंदिर में रख दें। फिर अगले माह की जो भी पूर्णिमा पड़े उस दिन उस कपड़े, हल्दी की गांठ और सुपारी को बहते जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय से दांपत्य जीवन का दुख दूर हो जाएगा।

मीशो ने आईपीओ के लिए 105-111 रुपये सेट किया प्राइस, 3 दिसंबर को हो रहा ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 के सबसे चर्चित आईपीओ में से एक ई-कॉमर्स कंपनी मीशो भी स्टॉक मार्केट में एंट्री के लिए तैयार है। सॉफ्टबैंक के निवेश वाली कंपनी मीशो का आईपीओ 3 दिसंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 5 दिसंबर 2025 यानी शुक्रवार तक दांव लगाने का मौका रहेगा। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 2 दिसंबर को ही खुल जाएगा। मीशो के आईपीओ का प्राइस बैंड 105 रुपये से 111 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। मीशो के आईपीओ के लॉट साइज की बात करें तो यह 135 शेयरों का बनाया गया है। मीशो का आईपीओ ग्रे मार्केट में मजबूती के साथ प्रदर्शन कर रहा है। कंपनी का आईपीओ ग्रे मार्केट में 33 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। उम्मीद की जा रही है कि मार्केट के अच्छे मूड का फायदा इस चर्चित आईपीओ को मिल सकता है। मीशो आईपीओ के जरिए 4250 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी 10.55 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। जो निवेशक अपने हिस्से का शेयर आईपीओ के जरिए बेच रहे हैं उसमें एलिवेश कैपिटल, पीक एक्सवी पार्टनर्स, गोल्डन समिट, वाई क्वामबिनेटर और अन्य शामिल हैं। इस कंपनी के प्रमोटर्स के पास 18.50 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, पब्लिक के पास 81.50 प्रतिशत हिस्सा है। मीशो में सबसे बड़ा हिस्सा एलिवेशन कैपिटल है। कंपनी में इस निवेशक की कुल हिस्सेदारी 15.11 प्रतिशत है। वेस्टब्रिज क्रॉसओवर फंड के पास 3.92 प्रतिशत हिस्सा है। मीशो आईपीओ से जुटाए 1390 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी फ्रेश इश्यू के जरिए करेगी। 1020 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी मार्केटिंग एंड ब्रांडिंग के लिए करेगी। 480 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी मौजूदा कर्मचारियों और नए कर्मचारियों की सैलरी के लिए करेगी। इस आईपीओ के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, जेपी मॉर्गन इंडिया, मॉर्गन स्टेनले इंडिया कंपनी, एक्सिस कैपिटल और सिटी ग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया को मर्चेंट बैंकर नियुक्त किया है। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

जुर्माने पर बायजू का पलटवार, सबूतों के साथ अमेरिकी अदालत में जाएंगे रवींद्रन

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक संकट से जूझ रही एडुटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन अमेरिकी अदालत में 2.5 अरब डॉलर का क्षतिपूर्ति दावा दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही अल्फा फंड से 53.3 करोड़ डॉलर की रकम दूसरी जगह भेजने के आरोपों को गलत ठहराने वाले सबूत भी पेश किए जाएंगे। बता दें कि अमेरिका के डेलावेयर की दिवाला अदालत ने पिछले सप्ताह रवींद्रन को एक अरब डॉलर से अधिक भुगतान करने का आदेश दिया था। अदालत का कहना था कि वह साल 2021 में लिए गए 1.2 अरब डॉलर के कर्ज में से आधी रकम का पता लगाने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। रवींद्रन ने एक बयान में कहा है कि अमेरिकी अदालत ने उन्हें अपना वकील रखने के लिए 30 दिन का समय नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील करेंगे और ग्लास ट्रस्ट एवं अन्य पक्षों पर अलग से 2.5 अरब डॉलर का दावा ठोंकेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का 53.3 करोड़ डॉलर की समूची राशि का विवरण दर्ज है। इसका बड़ा हिस्सा कर्ज व्यवस्थापक ओसीआई से रिवेरे कैपिटल और फिर विभिन्न बायजू इकाइयों से होते हुए मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) तक पहुंचा था।

आईएमएफ की सख्त टिप्पणी से हलचल

भारतीय जीडीपी आंकड़ों में खामियां

सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान

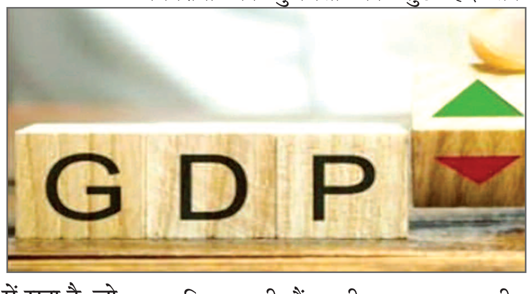

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों में गंभीर खामियां बताते हुए इन्हें सी ग्रेड में रखा है, जो आंकड़ों की गुणवत्ता के लिहाज से दूसरा सबसे निचला स्तर माना जाता है। यह मूल्यांकन ऐसे समय में आया है, जब सरकार आज वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी करने जा रही है। अनुमान है कि अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

आईएमएफ के वार्षिक मूल्यांकन के अनुसार भारत के राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों में जीडीपी और जीवीए जैसे प्रमुख संकेतक शामिल हैं। इसमें पद्धतिगत कमियां मौजूद हैं। संस्था का कहना है कि आंकड़े पर्याप्त आवृत्ति और समय पर उपलब्ध होते हैं, लेकिन कार्यप्रणाली संबंधी कमजोरियां आर्थिक निगरानी की गुणवत्ता को कुछ हद तक प्रभावित करती हैं। इसी आधार पर राष्ट्रीय लेखा प्रणाली को सी ग्रेड दिया गया है।

आईएमएफ ने 2011-12 के पुराने आधार वर्ष पर भी सवाल उठाया, जिस पर मौजूदा आर्थिक गणनाएं आधारित हैं। रिपोर्ट में थोक मूल्य सूचकांक के उपयोग और जीडीपी को मापने के उत्पादन व खर्च आधारित दृष्टिकोणों में समय-समय पर सामने आने वाली विसंगतियों को प्रमुख समस्या बताया गया। संस्था ने खर्च आधारित आंकड़ों और अनौपचारिक क्षेत्र के कवरेज को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत सरकार लंबे समय से आय आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से जीडीपी का अनुमान लगाती है।

85 लाख कीमत और 55 करोड़ का ऑफर

बिकने जा रहा रतन टाटा का विला

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा की सेशेल्स में मौजूद प्रॉपर्टी बिकने जा रही है। यह समुद्र के किनारे बना एक शानदार विला है, जो सेशेल्स के सबसे बड़े द्वीप माहे पर स्थित है। रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस प्रॉपर्टी को अपने सिंगापुर स्थित फंड RNT Associates के नाम कर दिया था। यह फंड भारतीय स्टार्टअप्स में निवेश करता है। प्रॉपर्टी की कीमत लगभग 85 लाख रुपये आंकी गई थी। सूत्रों के मुताबिक बंद हो चुकी टेलीकॉम कंपनी एयरसेल के फाउंडर सी. शिवशंकरन और उनके परिवार तथा साथियों ने इस प्रॉपर्टी को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने इसके लिए 6.2 मिलियन डॉलर यानी करीब 55 करोड़ रुपये की पेशकश की है। जब टीओआई ने शिवशंकरन से इस बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक कोई पक्का समझौता नहीं हुआ है। यह बात भी सामने आई है कि सेशेल्स के नागरिक बन चुके शिवशंकरन ने ही रतन टाटा को यह प्रॉपर्टी खरीदने में मदद की थी। सेशेल्स के कानून के मुताबिक सिर्फ वहां के नागरिक ही प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। चूंकि रतन टाटा सेशेल्स के नागरिक नहीं थे, इसलिए उन्हें एक खास छूट दी गई थी। यह छूट उनके वैश्विक उद्योगपति और परोपकारी होने के नाते दी गई थी। टाटा मोटर्स का सेशेल्स से पुराना रिश्ता रहा है। 1982 में सेशेल्स ने टाटा मोटर्स के सम्मान में एक खास डाक टिकट भी जारी किया था। 2004 के बाद कुछ समय के लिए इंडियन होटल्स (ताज) ने सेशेल्स के डेनिस आइलैंड प्रॉपर्टी का मैनेजमेंट भी संभाला था। फिलहाल टाटा मोटर्स

और ताज दोनों का ही इस पूर्वी अफ्रीकी देश में कोई बिजनेस नहीं है। हाल के इंटरव्यू में 69 वर्षीय शिवशंकरन ने रतन टाटा के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि वह सात साल तक हर दिन सुबह 7-15 बजे मुंबई की बख्तावर बिल्डिंग में रतन टाटा के घर जाते थे। शिवशंकरन, रतन टाटा के परोपकारी स्वभाव और शांत व्यवहार के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने एक बार बताया था कि सिंगापुर से सेशेल्स की फ्लाइट में जब एक इंजन फेल हो गया था और यात्रियों को यह चेतावनी दी गई थी कि विमान क्रैश हो सकता है। तब वह घबरा गए थे और उन्होंने अपने बेटे को अपना जीमेल पासवर्ड भेज दिया था। लेकिन टाटा बिल्कुल शांत थे। उन्होंने शिवशंकरन से कहा था, पायलटों को उनका काम करने दो। उनकी दोस्ती के चलते ही शिवशंकरन ने टाटा ग्रुप के टेलीकॉम वेंचर में भी निवेश किया था। अगर यह प्रॉपर्टी डील फाइनल हो जाती है, तो इससे होने वाली कमाई को रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट के बीच बराबर बांटा जाएगा।

8 साल में एक लाख रुपये का निवेश बना 4.29 लाख रुपये

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में जबरदस्त रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2017-18 में सीरीज-10 के लिए जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) को भुनाने के लिए अंतिम मूल्य की घोषणा कर दी है। इसे 27 नवंबर से कभी भी भुनाया जा सकता है। 20 नवंबर, 2017 से 22 नवंबर, 2017 तक खुले इस बॉन्ड में किसी ने अगर एक लाख रुपये का निवेश किया होगा तो वह रकम अब 4.29 लाख हो गई है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की परिपक्वता अवधि 8 साल की होती है। हालांकि, इसे 5 साल बाद भी भुनाया जा सकता है। 2017-18 की सीरीज-10 के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का प्रति यूनिट मूल्य 12,484 रुपये तय किया गया है। यह तीन कार्यदिवसों अर्थात 24 नवंबर, 25 और 26 नवंबर, 2025 के लिए सोने के औसत बंद भाव पर आधारित है। 2017 में जारी होने के समय बिना छूट के प्रति यूनिट भाव 2,964 रुपये तय किया गया था। 2017 में इस बॉन्ड में ऑनलाइन निवेश करने पर 50 रुपये की प्रति यूनिट छूट मिली थी। इस तरह से इसका भाव 2,914 रुपये हो गया था। यानी 328 फीसदी का फायदा मिला। इसे ऐसे समझ सकते हैं। 12,484-2,914 = 9,570 रुपये (ब्याज को छोड़कर)। प्रतिशत के लिहाज से यह 9,934 ॑ 2,914 म 100 = 328.41 प्रतिशत है। बॉन्ड धारकों को 2.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिला है। एसजीबी सरकारी प्रतिभूतियां हैं, जिनका मूल्य ग्राम सोने में होता है। ये आरबीआई द्वारा जारी किए गए अनिवार्य प्रमाणपत्र हैं। इससे व्यक्ति अपनी भौतिक संपत्ति की रक्षा की चिंता किए बिना सोने में निवेश कर सकते हैं। चूँकि ये बॉन्ड आरबीआई द्वारा भारत सरकार के शेयरों के अंतर्गत जारी किए जाते हैं, इसलिए सदस्यता के लिए एक विशेष समय-सीमा पहले से निर्धारित होती है, जिसके दौरान निवेशकों के नाम पर किस्तों में एक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना जारी की जाती है। आमतौर पर, आरबीआई हर 2-3 महीने में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके नए सॉवरेन बॉन्ड जारी करने की घोषणा करता है, जिसमें एक सप्ताह का समय होता है जिसके दौरान लोग इस योजना की सदस्यता ले सकते हैं।

कैसे तय होती है कीमतें?: स्वर्ण बांड का अंकित मूल्य भारतीय रुपये में होगा, जो सदस्यता अवधि से पहले के सप्ताह के अंतिम 3 कार्यदिवसों के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड द्वारा प्रकाशित 999 शुद्धता वाले सोने के बंद भाव के साधारण औसत के आधार पर तय किया जाएगा।

लड़ाकू विमान तेजस है सुरक्षित

दुबई हादसे के बाद एचएएल का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी।
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डीके सुनील ने लड़ाकू विमान तेजस की मजबूत सुरक्षा विशेषताओं की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि विमान पूरी तरह से सुरक्षित है और दुबई एयर शो में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। सुनील ने विश्वास जताया कि इस घटना से विमान के भविष्य के उपयोग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

तेजस का सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया में सर्वश्रेष्ठ

एचएएल के अध्यक्ष ने कहा कि तेजस में कोई समस्या नहीं है , यह पूरी तरह सुरक्षित है और इसका सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। दुबई में आपने जो देखा वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी।

भारत के पास नवीनतम क्षमता वाला 4.5 पीढ़ी का विमानत्र: उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि जैसे-जैसे देश विकसित होते हैं और अपनी तकनीक विकसित करते हैं, हम विभिन्न चरणों से गुजरते हैं। हमारे पास नवीनतम क्षमता वाला 4.5 पीढ़ी का विमान है। यह एक शानदार सफलता है और हम सभी को इस पर गर्व होना चाहिए। हमेशा कुछ लोग इसका विरोध करेंगे और सवाल उठाएंगे, लेकिन यह हमें और मजबूत होने से नहीं रोक पाएगा। मैं आपको पूरी तरह से आश्वस्त कर सकता हूं कि यह एक बिल्कुल सुरक्षित विमान है और इसका तेजस के भविष्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एचएएल के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कंपनी वैश्विक खिलाड़ी बनने के प्रयास में निर्यात पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। निर्यात भारत सरकार और कंपनी की भागीदारी का परिणाम है। यह हमारे द्वारा निर्मित क्षमता का तार्किक विस्तार है।

दुबई एयरशो में हुई दुर्घटना, हल्के लड़ाकू विमान तेजस से जुड़ी दूसरी ऐसी दुर्घटना है, जब से यह 10 साल पहले भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ था। पिछले साल मार्च में जैसलमेर के पास हुई पिछली घटना में पायलट सुरक्षित बच गया था। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पहले पुष्टि की थी कि दुबई के अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निम्न-स्तरीय एरोबैटिक प्रदर्शन के दौरान विमान के नीचे गिरने और उसमें आग लगने से पायलट की मौत हो गई।

डाटा सेंटर: एयरटेल-रिलायंस-अदाणी-टाटा का 50 अरब डॉलर का होगा निवेश

नौ गीगावॉट पहुंचेगी घरेलू क्षमता

नई दिल्ली, एजेंसी। डाटा सेंटर उद्योग में घरेलू कॉरपोरेट जगत पूरी तरह से उतरने की तैयारी में है। टाटा और रिलायंस से लेकर अदाणी और एयरटेल तक इस क्षेत्र में पांच से सात वर्षों में 50 अरब डॉलर का भारी निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इससे वर्तमान एक गीगावॉट की क्षमता इस दौरान बढ़कर 9 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी।

ये सभी कॉरपोरेट देश के डाटा सेंटर बूम पर दोगुना जोर दे रहे हैं। इससे अगले दशक में एआई और क्लाउड विकास को तेज रफ्तार मिलेगी। इस क्षेत्र में नई उतरने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) है। इसने निजी इक्विटी फर्म टीपीजी के साथ अरबों डॉलर का संयुक्त उद्यम किया है। यह एक 1.2 गीगावॉट प्लेटफॉर्म है जिसकी क्षमता देश के सभी मौजूदा डाटा सेंटरों की संयुक्त क्षमता के बराबर है। जेएलएल के मुताबिक, 5 से 7 वर्षों में 35 से 50 अरब डॉलर का भारत में निवेश होगा। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में डाटा की खपत 2016-17 के 8 एक्साबाइट से बढ़कर 2024-25 में 229 एक्साबाइट हो गई है। एक एक्साबाइट मतलब एक अरब गीगाबाइट है। जेफरीज का अनुमान है कि 2030 तक क्षमता 8 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। इसके लिए 30 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी।

रिलायंस :पहले ही जामनगर में एक गीगावॉट एआई डाटा सेंटर की घोषणा की है। अब कनाडा की ब्रुकफील्ड और अमेरिका की डिजिटल रियल्टी के साथ साझेदारी कर विशाखापत्तनम में एक गीगावॉट एआई डाटा सेंटर बनाएगी। यह परियोजना देश की सबसे बड़ी डाटा इन्फ्रास्ट्रक्चर में से एक है।

03 कंपनियों का 40 प्रतिशत हिस्सा

जेफरीज ने कहा, एयरटेल, रिलायंस और अदानीकॉनेक्स मिलकर 2030 तक डाटा सेंटर क्षमता का 35 से 40 फीसदी हिस्सा हासिल करेंगे। क्रिसिल को उम्मीद है कि कंपनियां 2026-27 से 2027-28 के दौरान 55,000-60,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इससे क्षमता 2.3-2.5 गीगावॉट हो जाएगी। डाटा की बढ़ती मांग के कारण भारत तेजी से सबसे प्रतिस्पर्धी डाटा सेंटर बाजारों में से एक है। दुनिया का 20 फीसदी डाटा भारत उत्पन्न करता है। लेकिन घरेलू स्तर पर केवल 3 फीसदी ही संग्रहीत करता है। इंटरनेट खपत वाले देशों में से एक होने के कारण भारत डाटा निर्माण का बड़ा इंजन बन गया है।

दिल्ली में जोनल ऑफिस और पांच नई शाखाओं का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीएल फिनकॉर्प ने वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और राष्ट्रीय विकास को गति देने के मकसद से आज दिल्ली में अपने जोनल ऑफिस और पांच नई शाखाओं का भव्य उद्घाटन किया। लॉन्चिंग कार्यक्रम राजधानी के कनॉट प्लेस स्थित शाखा में आयोजित हुआ। आईसीएल फिनकॉर्प ग्राहक-केंद्रित वित्तीय सेवाओं को दिल्लीवासियों के और करीब लाना चाहती है। नया जोनल ऑफिस दिल्ली स्थित कनॉट प्लेस के केंद्र में स्थापित किया गया है। यह दफ्तर क्षेत्रीय संचालन का मुख्य केंद्र होगा। इसके साथ ही पांच नई शाखाएं कनॉट प्लेस, मालवीय नगर, करोल बाग, राजिंदर नगर और रोहिणी में खोली गई हैं। इन नई शाखाओं से ग्राहकों को बेहतर सुविधा और व्यापक पहुंच मिलेगी। कंपनी तीन दशक से अधिक की विरासत के साथ देश की अग्रणी नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में जानी जाती है। कंपनी के पास 2000 से अधिक कर्मचारी, 300 से अधिक शाखाएं और 35 लाख से अधिक संतुष्ट ग्राहक हैं। आईसीएल फिनकॉर्प के चेयरमैन एडवोकेट केजी अनिलकुमार ने कहा, पिछले तीन दशकों से आईसीएल फिनकॉर्प विश्वसनीयता, पारदर्शिता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक रही है। यह विस्तार हमारे उस विजन को मजबूत करता है कि हम ग्राहकों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करें।

आईसीआईसीआई के ज्वाइंट वेंचर का आ रहा आईपीओ

ई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ मार्केट में एक और कंपनी की एंट्री होने ाली है। दरअसल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट ंपनी दिसंबर के दूसरे सप्ताह ं अपना 1.2 अरब डॉलर का ाईपीओ लॉन्च करेगी। न्यूज ़जेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के वाले से जानकारी दी है। एक ़त्र के अनुसार, प्रूडेंशियल ी एक सहायक कंपनी ाईपीओ में 10 प्रतिशत तक ़िस्सेदारी बेचेगी और एसेट मैनेजर कंपनी का लक्ष्य 12 अरब डॉलर ा मूल्यांकन है। दूसरे सूत्र ने कहा कि एसेट मैनेजर को पब्लिक ऑफर ़स्तावेजों पर बाजार नियामक की मंजूरी मिल गई। बाकी ौपचारिकताएं पूरी करने के बाद कंपनी दिसंबर के तीसरे हफ्ते में ़ूचीबद्ध होने की उम्मीद कर रही है।

सूत्रों ने अपनी पहचान बताने से इनकार कर दिया क्योंकि नियामक ी मंजूरी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक अठारह नवेश बैंकर आईपीओ का प्रबंधन करेंगे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ़ प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बता दें कि भारत की ़सरी सबसे बड़ी एसेट मैनेजर इस कंपनी ने जुलाई में आईपीओ के ़िए आवेदन किया था। भारत के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट बैंक ाईसीआईसीआई बैंक के पास इस कंपनी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ़हीं, ब्रिटिश बीमा कंपनी प्रूडेंशियल के पास 49 प्रतिशत की हिस्सेदारी । इन दोनों का ज्वाइंट वेंचर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल है। ाईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भारत में 10 ट्रिलियन रुपये (करीब 12 अरब डॉलर) की संपत्ति का प्रबंधन करता है।

अब्दुल कलाम का मिला साथ तो कंपनी ने भरी अंतरिक्ष की उड़ान, पानी से इंजन चलाने की तैयारी, करोड़ों का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
मशहूर वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा है- सपने वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते। कुछ ऐसे ही सपने रोहन गणपती की आंखों में थे। रोहन ने सपना देखा था ऐसा इंजन बनाने का जो अंतरिक्ष में जाए। उन्होंने उसे पूरा करने के लिए शुरू की बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस नाम की कंपनी। कंपनी की शुरुआत उन्होंने अपने परिवार के दोस्त यशस करणम के साथ मिलकर की। आज यह कंपनी अंतरिक्ष की दुनिया में जाना-पहचाना नाम है। रोहन कंपनी के को-फाउंडर हैं। आज कंपनी की कमाई करोड़ों रुपये में है।

दूसरे स्टार्टअप की तरह बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस की शुरुआत भी बहुत अच्छी नहीं रही। यह कंपनी कॉलेज के एक छोटे से शेड से शुरू हुई थी। रोहन ने यह कंपनी साल 2012 में उस समय शुरू की जब वह हिंदुस्तान कॉलेज, कोयंबटूर में एयरोनॉटिकल इंजीनियर के स्टूडेंट थे। उस समय उन्होंने एक अनोखा इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम का आइडिया सोचा। इस सिस्टम की खास बात यह थी कि यह पानी को ईंधन के तौर पर इस्तेमाल कर सकता था। इस शानदार आइडिया ने रोहन को नासा तक पहुंचाया, जहां उन्होंने अपना रिसर्च पेपर पेश किया। पहले ग्रांट के पैसों से रोहन और यशस ने कोयंबटूर में एक छोटा सा शेड बनाया। उन्होंने देर रात तक काम करके अपने आइडिया को हकीकत में बदलने की कोशिश की। उन्हें अपने आइडिया को सही साबित करने के लिए 130 प्रयोग करने पड़े। एक बड़ा मोड़ तब आया जब यशस भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो के तत्कालीन चेयरमैन ए. एस. किरण कुमार से मिले। यह मुलाकात उनके सीनियर छात्रों के दीक्षांत समारोह में हुई थी। यशस ने किरण कुमार को अपने प्रोजेक्ट के टेस्ट रिजल्ट, ग्राफ और तस्वीरें दिखाईं, जिसमें उन्होंने पहली बार थ्रस्टर को सफलतापूर्वक इग्नाइट किया था। किरण कुमार को यह देखकर हैरानी हुई।

अब्दुल कलाम का मिला साथ

33 साल के रोहन के लिए नासा का अनुभव किसी सपने से कम नहीं था। वहां उन्होंने अपने बचपन के हीरो और चांद पर कदम रखने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन से मुलाकात की। जब वह भारत लौटे तो उनके नील आर्मस्ट्रांग से मिलने की खबर न्यूजपेपर में छपी। इस खबर को देश के मशहूर वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी पढ़ा। डॉ. कलाम ने न केवल रोहन के काम की तारीफ की, बल्कि उन्हें एक सिफारिश पत्र भी दिया। इसी पत्र की मदद से रोहन को जेएसडब्ल्यू स्टील से अपना पहला ग्रांट मिला। कॉलेज के दिनों में ही रोहन ने एक अच्छी टेक्निकल टीम बना ली थी। लेकिन उन्हें एक ऐसे साथी की तलाश थी जो बिजनेस के मामले में आगे रह सके। रोहन ने अपना आइडिया अपने परिवार के दोस्त यशस करणम को बताया। जैसे ही दोनों ने इस आइडिया पर बात की यशस पूरी तरह से इसमें शामिल हो गए।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25 के

10वें संस्करण में रजिस्ट्रेशन का टूटा रिकॉर्ड, बाईचुंग भूटिया ने की औपचारिक शुरुआत

कोलकाता, एजेंसी। काउंटडाउन की शुरुआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान और आइकन और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न बाईचुंग भूटिया ने वर्षगांठ रन को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। रजिस्ट्रेशन इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। फिटनेस, एकजुटता और सामुदायिक भागीदारी को समर्पित यह इवेंट कोलकाता को एक बार फिर देश की 'रनिंग सिटी' साबित कर रहा है। उल्लेखनीय है कि टाटा 25के, 21 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होगी। काउंटडाउन की शुरुआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। मैदान पर खिलाड़ियों, प्रायोजकों और हस्तियों का जोश देखने लायक था।

एशेज

'पिंक बॉल' टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 14 सदस्यीय टीम घोषित, नहीं खेलेंगे पैट कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। कप्तान पैट कमिंस लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल सकेंगे। पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पर्थ में सीरीज का पहला टेस्ट में नहीं खेले थे। इस लो-स्कोरिंग मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई ने सिर्फ दो दिनों के अंदर अपने नाम किया था। इस तेज गेंदबाज को पूरी तरह से फिट होने के लिए दो हफ्तों का समय दिया गया है। 32 वर्षीय पैट कमिंस टीम के साथ ब्रिस्बेन जाएंगे। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ब्रेंडन डॉगेट, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ अपनी जगह बनाए रख सकते हैं। ब्रेंडन डॉगेट ने पर्थ में टेस्ट डेब्यू करते हुए 5 विकेट हासिल किए थे। इस टीम में अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा को शामिल किया गया है। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ में खेल गए सीरीज के पहले मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके थे 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' के मुताबिक, कमिंस ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में जमकर ट्रेनिंग की। उन्होंने मंगलवार को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के क्रिकेट सेंट्रल हेडक्वार्टर में ट्रेनिंग सेशन किया। इस दौरान पिंक बॉल से स्टीव स्मिथ को एक घंटे से ज्यादा समय तक पूरी गति से बॉलिंग की।

ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को गाबा में अपना पहला ट्रेनिंग सेशन करेगी, जिसके बाद सोमवार को एक सेशन होगा। पर्थ स्टेडियम में खेले गए सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में महज 172 रन पर सिमट गई। इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट हासिल किए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में महज 132 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के पास यहां से 40 रन की लीड थी, लेकिन मेहमान टीम दूसरी पारी में सिर्फ 164 रन पर सिमट गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का टारगेट मिला, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसेर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

म्यूजिक कंपोजर की मां ने दिया बड़ा अपडेट

स्मृति मंधाना -पलाश मुच्छल की कब होगी शादी ?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की शादी 23 नवंबर को होनी थी, जो अनिश्चितकाल के लिए टल गई थी. शादी के दिन ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके चलते ये फैसला लिया गया. इसी बीच सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलीं.कुछ अनकन्फर्म्ड चैट वायरल हुए, जिसक जरिए दावा किया गया कि पलाश मुच्छल ने स्मृति मंधाना को धोखा दिया. हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. इसके बीच यह राहत की बात है कि स्मृति के पिता अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं. अफवाहों के बीच अब पलाश मुच्छल की मां अमिता मुच्छल का स्टेटमेंट सामने आया है. अमिता ने कहा कि सब कुछ तय योजना के अनुसार ही होगा. उन्होंने यह भी बताया कि पलाश का स्मृति के पिता से बहुत करीबी रिश्ता है, इसलिए उन्हीं की हालत देखकर शादी टालने का फैसला लिया गया.

'शादी की तैयारी हो चुकी है...'

अमिता मुच्छल ने बताया, 'हमने पलाश को हल्दी की रस्म के बाद से बाहर नहीं जाने दिया है. वह बहुत तनाव में है, रो रहा है. उसकी तबीयत भी बिगड़ गई थी, इसलिए उसे चार घंटे अस्पताल में रखना पड़ा. आईवी ड्रिप लगाई गई, ईसीजी हुआ. सब सामान्य निकला, पर तनाव बहुत है.' अमिता मुच्छल ने कहा कि स्मृति और पलाश दोनों ही इस स्थिति को लेकर परेशान हैं और परिवार शादी के लिए पूरी तैयारी कर चुका है. अमिता ने बताया कि उनका बेटा जल्द ही दुल्हन को घर लाएगा. अमिता मुच्छल ने आगे कहा, 'सब कुछ प्लान के अनुसार ही होगा और शादी भी जल्द होगी. पलाश का स्मृति के पिता से बहुत गहरा रिश्ता है. वह स्मृति से ज्यादा उनके पिता के करीब है. इसलिए जब उनकी तबीयत खराब हुई, तो पलाश ने ही शादी टालने का फैसला किया. अब वे ठीक हो रहे हैं, इसलिए आगे सब सही रहेगा.' बता दें कि स्मृति मंधाना उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं, जिसने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. पूरे टूर्नामेंट में स्मृति की बल्लेबाजी शानदार रही. खिताबी मुकाबले में भी उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई. खिताब जीतने के बाद पलाश मुच्छल भी स्मृति के साथ मैदान पर जश्न मनाते हुए नजर आए थे.

रांची के मैदान पर

विराट रन नहीं आग बरसाते हैं

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रांची में होगा। साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। यही वजह है कि भारतीय टीम पर वनडे सीरीज से पहले काफी दबाव है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। 2013 से इस मैदान पर इंटरनेशनल क्रिकेट खेली जा रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला हुआ था। यह विराट कोहली के सबसे फेवरेट मैदानों में से एक है।

रांची में विराट का औसत 192 का

विराट कोहली ने रांची में अभी तक 5 वनडे मैच खेले हैं। चार पारियों में उनकी बैटिंग आई है और इसमें 384 रन बनाए हैं। वह इस मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अन्य किसी बल्लेबाज के नाम 150 रन भी नहीं हैं। रांची के मैदान पर विराट कोहली के बल्ले से शतक और एक फिफ्टी निकली है। उनका औसत 192 जबकि स्ट्राइक रेट 109 का है। इस मैदान पर उनकी सबसे छोटी पारी 45 रनों की है। विराट कोहली ने अपने करियर में 59 मैदानों पर एक से ज्यादा मैच खेले हैं। उनका सबसे अच्छा औसत रांची में ही है। गुवाहाटी के बारसापारा और साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड के मैदान पर उन्होंने वनडे में 126 की औसत से रन बनाए हैं।

ह्र साउथ अफ्रीका को हरा चुका भारत

विराट कोहली के अलावा इस मैदान पर वनडे में सिर्फ श्रेयस अय्यर के नाम शतक है। हालांकि वह चोटिल चल रहे हैं और इसी वजह से सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं। अय्यर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही यहां शतकीय पारी खेली थी। इस मैदान पर आखिरी वनडे मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2022 में हुआ था। उस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया था।

अंडर-19 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान, इन खिलाड़ियों की चमकी किस्मत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने 12 से 21 दिसंबर 2025 तक दुबई में होने वाले पुरुष अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की है। मुंबई और चेन्नई सुपर किंग्स के जबरदस्त बैटर आयुष म्हात्रे अंडर-19 टीम की कप्तानी करेंगे। वैभव सूर्यवंशी भी एशिया कप के लिए अंडर-19 टीम में वापस आ गए हैं, जो 50-ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा। 14 साल के इस खिलाड़ी ने पहले ऑस्ट्रेलिया में मल्टी-फॉर्मेट टूर में हिस्सा लिया था और हाल ही में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था। 18 साल के ऑल-राउंडर विहान मनोज मल्होत्रा को भारतीय अंडर-19 टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया। यह टूर्नामेंट 19 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए एक प्लेटफॉर्म का काम करेगा, जो अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

टीम की घोषणा स्पॉट के लिए कॉम्पिटिशन के बीच भी हुई है जिसमें राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ एशिया कप के लिए सिलेक्शन से चूक गए। अन्वय को बेंगलुरु में ट्राई-सीरीज के लिए चुना गया था और वह कई एज-ग्रुप टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं जिसमें वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करना और चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना जाना शामिल है। हालांकि, सिलेक्टर्स ने इंटरनेशनल यूथ टूर और घरेलू टूर्नामेंट में हाल ही में अनुभव वाले खिलाड़ियों को चुना है।

19 एशिया कप के लिए इंडिया स्[ाड

आयुष म्हात्रे (c), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (vc), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (2ह्र), हरवंश सिंह (wk), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह*, उद्धव मोहन, एरॉन जॉर्ज।

विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली प्रतिका रावल बेस प्राइज पर बिकी

जानें फ्रेंचाइजियों ने क्यों किया नजरअंदाज

नई दिल्ली। इंडिया की ओपनर प्रतिका रावल का विमेंस प्रीमियर लीग कॉन्ट्रैक्ट का इंतजार तब खत्म हुआ जब गुरुवार को नई दिल्ली में WPL 2026 ऑक्शन में ह्व

वॉरियर्स ने उन्हें साइन किया। शुरुआत में बिना बिके प्रतिका को आखिरकार एक्सेलरेटेड ऑक्शन के आखिरी सेट में चुन लिया गया। यूपी ने प्रतिका को उनके बेस प्राइज 50 लाख रुपए में खरीदा है।

प्रतीका 2025 ODI वर्ल्ड कप में इंडिया की सबसे अच्छी परफॉर्म करने वाली खिलाड़ियों में से एक थीं, उन्होंने 308 रन बनाकर टूर्नामेंट के रन चार्ट में चौथे स्थान पर रहीं, जो सिर्फ लॉरा वोल्वाईट, स्मृति मंधाना और एश्ले गार्डनर से पीछे थीं। हालांकि, चोट के कारण उनका कैंपेन छोटा हो गया। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में फील्डिंग करते समय उनके टखने और घुटने में चोट लग गई, जिससे उन्हें सेमीफाइनल और फाइनल मिस करना पड़ा, जिसे इंडिया ने जीता।

प्रतिका रावल पर क्यों नहीं लगी बोली -इसका एक बड़ा कारण प्रतिका का चोटिल होना है। वह विश्व कप के सेमीफाइनल में चोटिल होने के बाद बाहर हो गई थी। ऐसे में फ्रेंचाइजियां जोखिम नहीं लेना चाहती थी। इसके अलावा एक और बड़ा कारण यह है कि WPL ने फ्रेंचाइजियों को पहले ही बता दिया था कि बैटर प्रतिका रावल चोटिल हैं और ऑक्शन पूल का हिस्सा होने के बावजूद हिस्सा नहीं ले पाएंगी।

युजवेंद्र चहल फिर करने जा रहे शादी !

सोशल मीडिया पर दिए संकेत से फैंस में बढ़ी उत्सुकता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले कुछ महीनों से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहे हैं। डांसर और कंटेंट क्रिएटर धनश्री वर्मा से तलाक के लगभग आठ महीने बाद अब चहल ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा पोस्ट साझा किया है जिसने सभी का ध्यान खींच लिया।

उनके नए पोस्ट ने फैंस के बीच यह संकेत छोड़ा है कि वह जल्द ही दोबारा शादी के लिए तैयार हैं। टीम इंडिया से बाहर चल रहे चहल इंस्टाग्राम पर बेहद सक्रिय रहते हैं और अक्सर अपनी लाइफ से जुड़े मजेदार या स्टाइलिश मोमेंट साझा करते रहते हैं।

यूरोपा लीग :

फॉरेस्ट ने माल्मो को 3-0 से रौंदा, रोमा और एस्टन विला ने जीते मुकाबले

नॉटिंघमशायर, एजेंसी। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने माल्मो एफएफ को 3-0 से मात देकर यूरोपा लीग में तीन प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। मुकाबले के 27वें मिनट कप्तान रायन येट्स ने गोल दागकर नॉटिंघम फॉरेस्ट का खाता खोला। इसी के साथ टीम ने मुकाबले में 1-0 से लीड हासिल कर ली। मुकाबले के 44वें मिनट अर्नॉड कलिमुएंडो ने गोल करते हुए फॉरेस्ट की लीड को दोगुना कर दिया। माल्मो एफएफ की टीम 0-2 से पिछड़ गई थी। टीम लगातार गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन इसी बीच 59वें मिनट में निकोला मिलेंकोविक ने गोल दागकर फॉरेस्ट को 3-0 से आगे कर दिया। यहां से माल्मो की टीम दबाव से बाहर नहीं निकल सकी। इस जीत के साथ नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 8 प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। फॉरेस्ट टेबल में 16वें नंबर पर आ गई है। दूसरी ओर, माल्मो के पास 1 अंक है। यह टीम 34वें पायदान पर मौजूद है। एक अन्य मैच में, रोमा ने मिड्टजिलैंड को 2-1 से शिकस्त देकर पहली

घरेलू जीत दर्ज की। इस टीम के लिए नील एल ऐनाउई और स्टीफन ऐल शरावी मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने एक-एक गोल किए। नील एल ऐनाउई ने मुकाबले के 7वें मिनट खाता खोला। इसके बाद स्टीफन ऐल शरावी ने 83वें मिनट गोल दागकर रोमा को 2-0 से आगे कर दिया। मुकाबले के 86वें मिनट मिड्टजिलैंड ने पॉलिन्हो के गोल की बदौलत अपना खाता खोला, लेकिन यह टीम मुकाबला गंवा बैठी।

डब्ल्यूपीएल की वैभव सूर्यवंशी

दिया यादव ने ऑक्शन में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने एक ऐसी खिलाड़ी पर दांव खेला है जिसकी उम्र महज 16 साल है लेकिन उसके पास टैलेंट कमाल है. बात हो रही है दिया यादव की जिन्हें पहली बार महिला प्रीमियर लीग में खेलने का मौका मिलेगा. दिया ने ऑक्शन में बिकते ही इतिहास रच दिया है क्योंकि वो इस लीग की सबसे उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं. दिया की उम्र सिर्फ 16 साल है और वो हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं. जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी ने महज 13 साल की उम्र में आईपीएल में खेलकर इतिहास रचा था, अब वैसा ही मौका 16 साल की दिया के पास है.

दिया ने टी20 ट्रॉफी में दिखाया दम

हाल ही में दिया सीनियर वीमेंस इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेल रही थीं जहां उनका प्रदर्शन अच्छा रहा. दिया ने 5 पारियों में 30.20 की औसत से 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 के करीब रहा. सबसे अच्छे स्ट्राइक रेट के मामले में वो तीसरे नंबर पर रहीं और सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में ये खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रही. दिया यादव के टी20 करियर की बात करें तो इस खिलाड़ी ने 19 पारियों में लगभग 40 की औसत से 590 रन बनाए हैं. उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले हैं. साफ है दिया स्ट्रोक प्लेयर हैं इसीलिए दिल्ली ने उनपर दांव खेला है.

दिया यादव कौन हैं?

दिया यादव हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं. हरियाणा की ये बल्लेबाज उम्र में छोटी हैं लेकिन अच्छी-अच्छी गेंदबाजों की वो लाइन लेंग्थ बिगाड़ देती हैं. दिया महज 14 साल की उम्र में शतक लगाकर सुर्खियों में आई थी. इस खिलाड़ी ने वीमेंस अंडर 15 वनडे कप ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 124 रन बनाकर कमाल किया था.

'दिल्ली क्राइम 3' की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह, बोलीं-

'दर्शकों का प्यार उम्मीदों से ज्यादा'

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, ''मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ।

'दिल्ली क्राइम' का गंभीर किरदार, 'डार्लिंग्स' में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म 'सत्या' के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। इसी वजह से मैं आईएफपी के प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिलकर अपने अनुभव साझा करने के लिए उत्साहित हूं। बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं।

यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है। इसी कारण वह इस साल के आयोजन का हिस्सा बनने को लेकर बेहद खुश और रोमांचित हैं। आईएफपी सीजन 15 इस बार 29 और 30 नवंबर को मुंबई के मशहूर महबूब स्टूडियो में आयोजित होने जा रहा है।

यह दो दिन का बड़ा आयोजन देशभर के कलाकारों, फिल्मकारों, कंटेंट क्रिएटर्स और नए प्रयोग करने वाले रचनात्मक लोगों को एक मंच पर लाएगा। हर साल की तरह इस बार भी आईएफपी में ऐसे कई प्रतिभाशाली चेहरे शामिल होंगे, जिनके काम और विचार भारतीय क्रिएटिव इंडस्ट्री का भविष्य तय कर रहे हैं। यह आयोजन उन सभी लोगों के लिए खास है, जो नई कहानियों, नए संगीत, नए विचारों और नए प्रयोगों की तलाश में रहते हैं।

आयुष्मान खुराना-रश्मिका मंदाना की फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हुआ एंड

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा सिनेमाघरों पर दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी.

इस फिल्म को लोगों ने बहुत पसंद किया है. दिवाली से लेकर अब तक इस फिल्म को पसंद किया जा रहा था मगर अब बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का दम निकल गया है. थामा का फाइनल वर्ल्डवाइड कलेक्शन भी सामने आ गया है. पहले दिन शानदार कमाई करने के बाद ये फिल्म बहुत जल्दी ही 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई थी.

पहले दिन की थी जबरदस्त कमाई

थामा के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने पहले दिन 23 करोड़ का कलेक्शन किया था. थामा मंगलवार के दिन रिलीज हुई थी. ये एक्सटेंडिड वीक था.

इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है: रुक्मिणी वसंत

चमकती रोशनी, तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ – एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है – एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअलः जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना – वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं – यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, 'जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ।

'क्यों राजकीय सम्मान के साथ नहीं दी गई धर्मेंद्र को अंतिम विदाई?'

राखी सावंत ने देओल परिवार से पूछे सवाल

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को हो गया था, लेकिन सोशल मीडिया पर आज भी एक्टर को याद किया जा रहा है। 24 नवंबर को ही निधन के तुरंत बाद ही अभिनेता धर्मेंद्र का आनन-फानन में अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। अब बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने अभिनेता के अंतिम संस्कार पर सवाल उठाए हैं। इस संबंध में उन्होंने देओल परिवार से भी सवाल पूछा है। राखी सावंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धर्मेंद्र देओल के अंतिम संस्कार करने के तरीके पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि जिस राजकीय सम्मान के साथ एक्टर को विदा करना चाहिए था, देओल परिवार ने ऐसा नहीं किया। एक्ट्रेस ने अपने बयान में कहा, 'धर्मेंद्र पूरे देश के हीरो थे, बड़ों से लेकर बच्चे तक उनकी एक्टिंग के फैन थे। बिग बॉस के दौरान मैंने उनके साथ स्टेज पर डांस भी किया था, लेकिन उनके फैंस को उनके अंतिम दर्शन नहीं कराए गए। वे सिर्फ देओल परिवार का हिस्सा नहीं थे, वे उससे पहले देश के हीरो थे, हमारे हीरो थे। 'उन्होंने आगे कहा कि जैसे श्रीदेवी और राजेश खन्ना को राजकीय सम्मान के साथ विदा किया गया, वैसे धर्मेंद्र के साथ नहीं किया गया। उनकी याद में एक फूल भी नहीं लगाया गया। हमें नहीं पता कि देओल परिवार ने ऐसा क्यों किया, लेकिन मैं यहीं कहना चाहूंगी कि वे हमारे हीरो थे और वे इस सम्मान के हकदार भी थे। देशभर में उनके लाखों फैंस हैं, जो उन्हें आखिरी बार देखना चाहते थे। इस दौरान राखी ने अपने जन्मदिन पर बात करते हुए कहा कि मेरा बर्थडे भी 25 नवंबर को ही था और पार्टी की पूरी तैयारी हो चुकी थी, लेकिन जैसे ही निधन के बारे में पता चला तो हमने पार्टी कैंसल कर दी।

सोहा अली खान ने घर पर उगाई माइक्रोग्रीन्स, वीडियो पोस्ट कर दी जानकारी

अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सक्रिय रहती हैं। सोशल मीडिया पर वह अपनी हेल्दी डाइट से जुड़ी बातों को अपने फैंस से शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने घर में हेल्दी माइक्रोग्रीन्स उगाना शुरू किया है। अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उनके घर के गार्डन में हरे-भरे माइक्रोग्रीन्स (बहुत छोटे-छोटे अंकुरित पत्तेदार साग) लगे दिख रहे हैं। ये पौधे अभी कुछ इंच ही ऊंचे हैं, लेकिन इनमें पोषक तत्व बहुत ज्यादा होते हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने लिखा, 'मैं अपने माइक्रोग्रीन्स उगा रही हूं, जल्द इसके बारे में बताऊंगी। माइक्रोग्रीन्स को आम बोलचाल की भाषा में 'अंकुरित साग' कहते हैं। यह एक तरह के छोटे, नव विकसित पौधे होते हैं, जो सब्जियों, अनाज और हर्ब्स (जड़ी-बूटियों) से उगाए जाते हैं। इन्हें उगाने के 7-21 दिन के बाद काटा जाता है।

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के मामले में अजय को दिल्ली HC से मिली राहत

कोर्ट ने दिया ये आदेश

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के मामले में कोर्ट का रुख किया था। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने एक्टर को राहत दी है। इन दिनों पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा मामले को लेकर कई सितारे कोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे हैं। आज गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता अजय देवगन के व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा वाले केस में उन्हें राहत दी है। साथ ही उनके नाम से फैल रही अनुचित सामग्री को हटाने का आदेश दिया है। चलिए पढ़ते हैं पूरी खबर। हाईकोर्ट ने कई डिफेंडेंट को AI और डीपफेक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके अजय उर्फ विशाल वीरू देवगन की पर्सनैलिटी ट्रेट्स का इस्तेमाल करने से भी रोका। इसके अलावा इंटरनेट पर अपलोड किए गए कुछ डीपफेक सामग्री को हटाने का आदेश दिया। जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने कहा कि वह इस मामले में सिलसिलेवार तरीके से अंतरिम आदेश जारी करेगी।

अभिनेता के वकील ने रखा पक्ष

अभिनेता के वकील प्रवीण आनंद ने कहा कि डिफेंडेंट कैप, स्टिकर और पोस्टर सहित कमर्शियल मर्चेंडाइज बनाने में शामिल थे। वो अजय देवगन की नकल कर रहे थे और उन्हें दूसरे सेलिब्रिटीज के साथ खराब तरीके से दिखाने वाली तस्वीरें पोस्ट कर रहे थे। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान, वकील से पूछा कि क्या उन्होंने यूट्यूब पर एक्टर के खिलाफ खराब कंटेंट के बारे में डिफेंडेंट यूट्यूब और गूगल के पास विरोध दर्ज कराया है? इस पर वकील ने जवाब दिया, 'नहीं'। यह सुनकर कोर्ट ने कहा कि वह आदेश में बताएंगी कि पहले याचिकाकर्ता सोशल मीडिया इंटरमीडियरी के पास केस दर्ज कराएंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह अश्लील सामग्री को हटाने का ऑर्डर देगी।

सलमान खान के घर फायरिंग मामले में 5 लोगों पर आरोप तय

➢ आरोपियों ने खुद को बताया बेगुनाह

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर पिछले साल दो लोगों ने मोटरसाइकिल से आकर फायरिंग की थी. हालांकि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ था. इस वारदात में शामिल पांच लोगों के खिलाफ विशेष मकोका कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं. अब ट्रायल चलेगा. मुंबई की विशेष 'महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज़्ड क्राइम एक्ट' अदालत ने 14 अप्रैल 2024 को सुपरस्टार सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी मामले में दो शूटर सहित कुल पांच आरोपियों के खिलाफ औपचारिक तौर पर आरोप तय कर दिए हैं. अदालत ने आज मामले की सुनवाई के दौरान ये आदेश दिया. अदालत ने जिन आरोपियों पर मामले में आरोप तय किए हैं, उनमें कथित शूटर विक्की कुमार गुप्ता (विकी) और सागर कुमार पाल (सागर) के साथ सोनु कुमार बिश्नोई, रफीक/मोहम्मद रफीक चौधरी (रफीक सरदार चौधरी) और हरपाल सिंह का नाम शामिल है. आरोपियों ने अदालत में खुद को बेगुनाह बताया है और मामला अब ट्रायल के लिए शुरू होगा. विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने तमाम आरोपियों पर आरोप तय किए. आरोपियों के खिलाफ मकोका, दंड संहिता, आर्म्स अधिनियम और अन्य संबंधित धाराएं शामिल हैं.

'मुन्ना भैया' के साथ राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर 'साली मोहब्बत' सीधे ओटीटी पर

ओटीटी पर अच्छी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करने वाले फैन्स के लिए एक अच्छी खबर है। राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का अब वो घर बैठे ही लुत्फ उठा सकते हैं। एक ऐसी कहानी जिसमें कहानी के साथ सस्पेंस और भी गहरा हो जाता है और दर्शक आखिरी तक कहानी से बंधे रहते हैं। जानें, किस दिन और कहां हो रही रिलीज।

फिल्मों के शौकीनों के लिए एक अच्छी खबर है। राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर 'साली मोहब्बत' अब सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में प्रीमियर हो चुकी है और अब आम दर्शक भी इसे अपने घर पर आराम से देख पाएंगे। फिल्म को टिस्का चोपड़ा ने डायरेक्ट किया है, वहीं जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा के स्टेज5 प्रोडक्शन ने मिलकर इसका निर्माण किया है। पहले ही यह फिल्म आईएफएफआई और शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल (सीएसएएफएफ) में तारीफ बटोर चुकी है और अब इसका डिजिटल सफर शुरू होने वाला है।

सस्पेंस थ्रिलर 'साली मोहब्बत' की कहानी

फिल्म की कहानी छोटे से शहर में रहने वाली स्मिता (राधिका आप्टे) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह शांत जीवन जीती है, लेकिन उसकी जिंदगी जैसी दिखती है, वैसी नहीं है। अचानक शहर में एक दोहरे हत्याकांड के बाद उसकी दुनिया हिल जाती है। धीरे-धीरे वह झूठ, बेवफाई, विश्वासघात और हत्या के जाल में उलझती जाती है। जांच के दौरान पता चलता है कि इस केस में कोई भी इंसान वैसा नहीं, जैसे दिखता है।

दुश्मनों का खात्मा करने आ रही है

'नागिन 7' का नया प्रोमो रिलीज हो चुका है। नए प्रोमो के सामने आते ही सीरियल की रिलीज डेट और बाकी स्टार कास्ट का चेहरा भी सामने आ गया है। एकता कपूर के सबसे चर्चित शो 'नागिन' के सातवें सीजन का नया प्रोमो रिलीज हो चुका है। फैंस इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस शो से प्रियंका चाहर चौधरी का चेहरा पहले ही रिवीज हो चुका है। वहीं नए प्रोमो में इस शो के बाकी कलाकारों के चेहरों से भी पर्दा उठा दिया गया है। इस बार मुख्य नागिन का रोल प्रियंका चाहर चौधरी निभा रही हैं। उनके साथ ईशा सिंह और करण कुंद्रा भी अहम किरदार में दिखेंगे। प्रोमो में प्रियंका का नागिन लुक बहुत शानदार लग रहा है। प्रोमो की शुरुआत में करण कुंद्रा बोलते हैं, 'तबाही की शुरुआत हो चुकी है'। इसके बाद प्रियंका और ईशा को नाग मंदिर के बाहर दिखाया जाता है। प्रियंका नागिन बनकर अपने दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार नजर आ रही हैं।

साभार एजेंसी